



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 15, 2017/माघ 26, 1938

No. 44]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 15, 2017/MAGHA 26, 1938

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2017

(अंतिम जांच परिणाम)

(प्रवंचनारोधी जांच)

विषय: चीन गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डीएफएस के एक अपरिष्कृत स्वरूप इंडोलिनोन के आयातों से डिक्लोफेनेक सोडियम (डीएफएस) पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना के बारे में जांच।

सं. 14/22/2014-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम भी कहा गया है) तथा समय-समय पर यथा संशोधित तथा सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और वसूली करने तथा क्षति का निर्धारण करने के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद में नियमावली भी कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए,

क. मामले की पृष्ठभूमि

- जबकि, मैसर्स आरती ड्रग्स लि., मैसर्स अमोली आर्गेनिक्स लि. और मैसर्स कैरव केमिकल्स लि. के अनुरोध पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) डिक्लोफेनेक सोडियम के आयातों पर पाटनरोधी जांच की तथा दिनांक 31 अक्तूबर, 2001 की अधिसूचना सं. 44/1/2001-डीजीएडी के द्वारा अस्थायी पाटनरोधी शुल्क (एडीडी) की सिफारिश की, जो वित्त मंत्रालय की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 76/2002-सीमा शुल्क, दिनांक 8 अगस्त, 2002 के द्वारा लगाया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 21 जून, 2002 की अधिसूचना संख्या 44/1/2001-डीजीएडी के द्वारा एक निश्चित पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की। सिफारिशों के आधार पर वित्त मंत्रालय ने 8 अगस्त, 2002 की अधिसूचना संख्या 76/2002-सीमा शुल्क के द्वारा विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया तो अस्थायी शुल्क की तारीख से 5 वर्षों की अवधि के लिए जारी रहा। पाटनरोधी शुल्क के बारे में कोई अंतिम समीक्षा नहीं की गई थी।

2. जबकि, प्रार्थियों, मैसर्स आरती ड्रग्स लि., मैसर्स अमोली आर्गेनिक्स लि. और मैसर्स कैरव केमिकल्स लि. ने नए सिरे से पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए प्राधिकारी के समक्ष के आवेदन दायर किया। जांचों के अनुसरण में, प्राधिकारी ने 28 जनवरी, 2008 की अधिसूचना संख्या 14/4/2007-डीजीएडी के द्वारा अस्थायी पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की, जिसके आधार पर केंद्र सरकार ने 10 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना सं. 46/2008 के द्वारा विचाराधीन उत्पाद पर अस्थायी पाटनरोधी शुल्क लगाया। इसके अलावा, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डिक्लोफेनक सोडियम अथवा डी.एफ.एस. के आयातों पर दिनांक 29 मई, 2008 की अधिसूचना संख्या 14/4/2007-डीजीएडी के द्वारा अंतिम जांच परिणामों में अधिसूचित एक निश्चित पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की थी जिसके अनुसरण में केंद्र सरकार ने दिनांक 30 जुलाई, 2008 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 91/2008-सीमा शुल्क के द्वारा विचाराधीन उत्पाद पर एक निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाया।
3. जबकि, मैसर्स अमोली आर्गेनिक्स और मैसर्स आरती ड्रग्स के द्वारा दायर किए गए आवेदन पत्र पर प्रभावी शुल्क को लगाना जारी रखने की जरूरत की समीक्षा करने के लिए दिनांक 9 अप्रैल, 2013 की अधिसूचना संख्या 15/3/2013-डीजीएडी के द्वारा विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर अंतिम समीक्षा की जांच शुरू की गई। विस्तृत जांचों के बाद प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क के प्रसार की सिफारिश करते हुए 2 अक्तूबर, 2014 की अधिसूचना संख्या 15/3/2013-डीजीएडी के द्वारा अंतिम जांच परिणामों को अधिसूचित किया। दिनांक 21 नवंबर, 2014 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 44/2014-सीमा शुल्क के द्वारा पाटनरोधी शुल्क का विस्तार किया गया। इस प्रकार लगाया गया सीमा शुल्क फिलहाल लागू है।
4. जबकि डिक्लोफेनक सोडियम की उपान्तिम अवस्था के इंडोलिनोन के आयातों के संबंध में जारी प्रवंचनारोधी जांच में मैसर्स अमोली आर्गेनिक्स लि. (जिसे इसमें याचिकाकर्ता अथवा आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष (जिसे इसके बाद में प्राधिकारी भी कहा है) चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसमें सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "डिक्लोफेनक सोडियम" के उपान्तिम अवस्था के इंडोलिनोन (1- (2, 6-डिक्लोरोफिनाइल)-2-इंडोलिनोन कूड) (जिसे इसके बाद में "जांचाधीन उत्पाद" अथवा "पीयूआई" के रूप में भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित प्रवंचनारोधी जांच की शुरूआत करने के लिए सीमा शुल्क टैरिफ (पाठित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण, आकलन एवं वसूली करने तथा क्षति का निर्धारण करने संबंधी) नियमावली, 1995 (पाटनरोधी नियमावली) के नियम 26(1) के साथ पठित अधिनियम की धारा 9"क" के अनुसार एक आवेदन दायर किया है। मैसर्स आरती ड्रग्स लि. ने (जिसे इसमें सहयोगी के रूप में कहा गया है) याचिका का समर्थन किया था। याचिकाकर्ता ने सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के उपान्तिम चरण के उत्पाद पीयूआई के डीएफएस के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का विस्तार करने का अनुरोध किया था।
5. जबकि नियमावली 26(1) के तहत याचिकाकर्ता के द्वारा दायर किए गए विधिवत प्रमाणित आवेदन पत्र की दृष्टि से प्राधिकारी ने लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की कथित प्रवंचना के अस्तित्व और प्रभाव का निर्धारण करने हेतु तथा इंडोलिनोन का आयात करने के लिए डीएफएस के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का विस्तार करने की सिफारिश पर विचार करने के लिए प्राधिकारी ने 17 फरवरी, 2016 की अधिसूचना संख्या 14/22/2014-डीजीएडी के द्वारा जांच की।

ख. प्रक्रिया

6. नीचे बताई गई प्रक्रिया का जांच के संबंध में पालन किया गया है:
 - i. प्राधिकारी ने प्रवंचनारोधी जांच शुरू करने के लिए अधिसूचना संख्या 14/22/2014-डीजीएडी दिनांक 17.2.2016 के द्वारा अधिसूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया।
 - ii. प्राधिकारी ने याचिका में उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में चीनी दूतावास, चीन के पीयूआई के जाने माने निर्यातकों तथा भारत के पीयूआई के जाने माने आयातकों के लिए शुरूआत जांच अधिसूचना की प्रति भेजी थी।
 - iii. प्राधिकारी ने पीयूआई के निर्यातकों/उत्पादकों को पत्र लिखा था तथा उनमें अनुरोध किया था कि वे निर्धारित प्रश्नावली में अपने प्रत्युत्तर दायर करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने मत दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावलियों की प्रतियां जाने माने निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ चीनी दूतावास को भी भेजी गई थी जिनमें यह अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्राधिकारी को उत्तर देने हेतु चीन के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें।

- iv. याचिकाकर्ता के द्वारा दायर किए गए आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति चीन के उत्पादकों/निर्यातकों तथा चीन की सरकार को भेजी गई थी। आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति अनुरोध करने पर हितबद्ध पक्षकारों के लिए सार्वजनिक फाइल के जरिए उपलब्ध भी कराई गई थी।
- v. प्राधिकारी द्वारा प्रवंचनारोधी जांच की शुरुआत करने संबंधी सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों के पास भेजी गई थी और उन्हें अवसर दिया गया था कि वे पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने मत दें:
- (क) सांडोंग यिवाओ बायोलॉजिक्स कं. लि.
 - (ख) शेनझेन झिजुन फार्मास्युटिकल्स कं. लि.
 - (ग) कम्फर्ट्सकॉमस ग्रुप कं. लि.
 - (घ) शांक्षी हैझिंग साइंटिफिक टेक्नो. एंड ट्रेड कं. लि.
 - (ङ) जीबीबी ग्रुप कं. लि.
 - (च) स्काईरन इंटरनेशनल ग्रुप सनराइज कारपोरेशन
 - (छ) हेबई जिहेंग (ग्रुप) फार्मास्युटिकल्स कं. लि.
 - (ज) शानडोंग रियंग फार्मास्युटिकल्स कं. लि.
 - (झ) हेबेयी वेयोंग एनिमल फार्मास्युटिकल्स कं. लि.
 - (ञ) वुहान लिहुआ इंटरनेशनल ट्रेड कारपोरेशन
 - (ट) मेडिको (शिजीजुयोंग) इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड कं. लि.
 - (ठ) दि टीएनएन डेवलेपमेंट लि.
- vi. चीन के पीयूआई के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया और न ही किसी उत्पादक/निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र और तरीके से प्रश्नावली में अपने प्रत्युत्तर भरे हैं।
- vii. नियमावली के अनुसार आवश्यक सूचना हेतु अनुरोध करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के जाने माने निम्नलिखित आयातकर्ताओं/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:
- (क) नाटको फार्मा लि.
 - (ख) यूनीवियोस लैबस लि.
 - (ग) मार्कसन्स फार्मा लि.
 - (घ) सनराइज केमिकल्स
 - (ङ) अल्का लेबोरिटरीज प्रा. लि.
 - (च) मैडी फार्मा ड्रग हाउस
 - (छ) पारा प्रोडक्ट्स प्रा. लि.
 - (ज) सारा एक्सपोर्ट्स लि.
 - (झ) स्ट्राइड इंडस्ट्रीज
 - (ञ) अंजु ड्रग केमि. प्रा. लि.
 - (ट) पान ड्रग्स लि.
 - (ठ) डीपीवी एंटीबायोटिक्स
 - (ड) जीपीटी फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि.
- viii. संबद्ध जांच की शुरुआत के प्रत्युत्तर में पीयूआई के किसी भी आयातकर्ता ने प्रत्युत्तर नहीं दिया है और न ही प्रश्नावली के प्रत्युत्तर को भरा है।

- ix. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने 20 दिसंबर, 2016 को हुई एक सार्वजनिक सुनवाई के दौरान अपने मत मौखिक रूप से रखने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर दिया था। दिनांक 20 दिसंबर, 2016 को हुई मौखिक सुनवाई में घरेलू उद्योग और पीयूआई का एक आयातक (अर्थात् मगमा इंडस्ट्रीज लि.) उपस्थित हुए थे। तथापि, मगमा इंडस्ट्रीज लि. ने लिखित में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई के दौरान अपने मत प्रस्तुत किए थे, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे उनके द्वारा मौखिक रूप से व्यक्त किए गए मतों के बारे में लिखित में निवेदन करें।
- x. जिन निर्यातकों, आयातकों, अन्य घरेलू उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है और न ही इस जांच के बारे में प्रासंगिक सूचना दी है, उनको असहयोगी माना गया है।
- xi. अप्रैल, 2014 से सितंबर, 2015 की जांच अवधि सहित वर्ष 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11, 2011-12, 2012-13, 2013-14, 2014-15 के संबद्ध वस्तुओं के आयातों के उपर्युक्त अवधि/वर्ष/वर्षों के लिए ब्यौरे डीजीसीआईएस और डीजी सिस्टमों से अनुरोध किया गया था।
- xii. इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों पर जहां कहीं पर इस जांच परिणाम में प्रासंगिक पाया गया, प्राधिकारी के द्वारा विचार किया गया है।
- xiii. याचिकाकर्ता और सहयोगी कंपनी के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों के बारे में आवश्यक समझी गई सीमा तक जांच की गई थी।
- xiv. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां कहीं औचित्य साबित होने पर गोपनीयता संबंधी दावों को स्वीकार कर लिया है तथा ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां कहीं संभव है, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध करा रहे पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए गए थे।
- xv. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने सूचना सुलभ कराने से मना कर दिया है अथवा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना अन्यथा उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में पर्याप्त रूप से बाधा डाली है, ऐसे पक्षकारों को प्राधिकारी ने असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम रिकार्ड किए हैं।
- xvi. पहली नियमावली के नियम 16 के अनुसार, प्राधिकारी के द्वारा 2 फरवरी, 2017 को अनिवार्य तथ्य संबंधित पक्षकारों को प्रकट कर दिए गए थे। टिप्पणियां 10 फरवरी, 2017 तक भेजने का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक समझी गई सीमा तक प्रकटन विवरण पर प्राप्त हुई टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है।
- xvii. *** गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार/किसी अन्य पक्षकार के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है तथा प्राधिकारी के द्वारा नियमों के तहत इस प्रकार विचार किया गया दर्शाता है।
- xviii. जांच अवधि के दौरान प्रचलित 1 अमेरिकी डॉलर = 62.25 रुपए की औसत विनिमय दर को प्राधिकारी के द्वारा इस जांच परिणाम में स्वीकार किया गया है।

ग. जांचाधीन उत्पाद और समान वस्तुएं

7. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "इंडोलिनोन (1-2, 6-डियलोरोफिनाइल-2-इंडोलिनोन कूड)" है (जिसे "जांचाधीन उत्पाद" अथवा "पीयूआई" अथवा "संबद्ध वस्तुएं" कहा गया है) जो डिक्लोफेनक सोडियम का एक उपान्तिम चरण उत्पाद है (जिसे संबद्ध वस्तु अथवा "विचाराधीन उत्पाद" अथवा "पीयूसी" के रूप में भी कहा गया है)। इंडोलिनोन में डिक्लोफेनक सोडियम के पहले से ही मोलकूलर स्ट्रक्चर निहित होता है।

ग.1 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

8. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई निवेदन नहीं किया है।

ग.2 घरेलू उद्योग के विचार

9. घरेलू उद्योग ने पीयूआई के बारे में निम्नलिखित निवेदन किए हैं:

- प्रवंचना की वस्तु बनने वाला उत्पाद डिक्लोफेनक सोडियम है जो इसके मध्यवर्ती अथवा अपस्ट्रीम स्वरूप में इंडोलिनोन (1-(2, 6-डिक्लोफेनाइल)-2-इंडोलिनोन कूड) चीन जनवादी गणराज्य के मूल से है।
- संबद्ध वस्तुओं को उप-शीर्ष 29420090 के तहत सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक है और यह जांच के क्षेत्र पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।
- चीन जनवादी गणराज्य के मूल से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पहले लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को रोका जा रहा है तथा चीन जनवादी गणराज्य से इसके मध्यवर्ती स्वरूप पीयूआई में भारत में आयात किया जा रहा है।
- विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क को रोकने का कार्य पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद शुरू हुआ था, तथापि, इसमें अब तेजी लाई गई है। चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातक भारत में पीयूआई का निर्यात कर रहे हैं जिनको फिर अधिक मूल्य बढ़ोत्तरी किए बिना विचाराधीन उत्पाद में ही बदला जा रहा है। इंडोलिनोन को डिक्लोफेनक सोडियम में बदलने में निहित प्रक्रिया जल अपघटन (हाइड्रोलिसिस) की प्रक्रिया है जिसमें भारत में इंडोलिनोन के चरण से लेकर डिक्लोफेनक सोडियम तक मूल्य में बढ़ोत्तरी प्रासंगिक प्रवंचना प्रावधानों के तहत निर्धारित सीमाओं से काफी कम होती है।
- इंडोलिनोन का उत्पादन, डिक्लोफेनक सोडियम की विनिर्माण प्रक्रिया में एक पूर्ण चरण होता है। पाटनरोधी शुल्क लगाने की वजह से चीन के उत्पादकों को इंडोलिनोन, अपरिष्कृत डीएफएस को बंद करने तथा भारत में इसके पाटन को समाप्त करने के लिए इसे लाभप्रद पाया है। इंडोलिनोन को डिक्लोफेनक सोडियम में बदलने में निहित प्रक्रिया हाइड्रोलिसिस की प्रक्रिया है।

	$\xrightarrow{\text{NaOH}}$	
इंडोलिनोन		डिक्लोफेनक सोडियम
मोलेकुलर फार्मूला: $\text{C}_{14}\text{H}_9\text{ONCl}_2$		मोलेकुलर फार्मूला: $\text{C}_{14}\text{H}_{10}\text{Cl}_2\text{NNaO}_2$
सोडियम हाइड्रोसाइड में इंडोलिनोन तथा शोधित पानी से डिक्लोफेनक सोडियम प्राप्त होता है।		

- इंडोलिनोन से डीएफएस का उत्पादन करने की प्रक्रिया में हाइड्रोलिसिस की प्रक्रिया शामिल होती है और इंडोलिनोन को डिक्लोफेनक सोडियम में बदलने की लागत अर्थात भारत में इंडोलिनोन से डिक्लोफेनक सोडियम तक के चरण की मूल्य अभिवृद्धि प्रासंगिक प्रवंचना प्रावधानों के तहत निर्धारित सीमाओं से काफी कम होती है।

ग.3 प्राधिकारी की जांच

- हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों को नोट करते हुए प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि जांचाधीन उत्पाद अर्थात इंडोलिनोन (1-(2, 6-डिक्लोरोफेनाइल)-2-इंडोलिनोन कूड) विचाराधीन उत्पाद अर्थात डिक्लोफेनक सोडियम (डीएफएस) का एक उपान्तिम उत्पाद है। इंडोलिनोन डिक्लोफेनक सोडियम का एक अपरिष्कृत रूप है जिसको भारत में डीएफएस में और परिष्कृत किया जाता है और भारत में इसको इंडोलिनोन (1-(2, 6-डिक्लोरोफेनाइल)-2-इंडोलिनोन कूड) के नाम से अंकित किया जाता है। संबद्ध

वस्तुओं अर्थात् पीयूआई का समर्पित सीमा शुल्क वर्गीकरण नहीं होता है। इंडोलिनोन को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के तहत वर्गीकृत किया है और इसका विभिन्न उप-शीर्षक अर्थात् 29142990, 29214490, 29224990, 29337900, 29339900, 29081900, 29147090, 29420090, 29333990 के तहत आयात किया जा रहा है। हालांकि सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक ही है और यह जांच के अधिकार क्षेत्र पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

घ. घरेलू उद्योग का कार्य क्षेत्र और स्थिति:

घ.1 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के मत

11. घरेलू उद्योग के संबंध में किसी भी पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया था।

घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग के द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं:

- i. अमोली आर्गेनिक्स लि. के द्वारा याचिका दायर की गई है। मैसर्स आरती ड्रग्स लि. ने याचिका का समर्थन किया है।
- ii. याचिकाकर्ता कंपनी ने न तो आयात किया है और न ही संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक/उत्पादक से अथवा भारत में आयातकों से कोई संबंध है।
- iii. याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तुओं का एक बड़ा उत्पादक है। साथ ही, याचिकाकर्ता कंपनी पाटनरोधी नियमावली के अर्थ में "घरेलू उद्योग" है।
- iv. भारतीय मेषज विनिर्माता संघ के द्वारा आवेदन को तदनंतर समर्थन दिया गया है।
- v. जबकि पहले केवल मैसर्स सारा एक्सपोटर्स/मेडीटेक ही इंडोलिनोन का आयात करके डिक्लोफेनक सोडियम का उत्पादन कर रही थी। अब मैसर्स अल्का ड्रग्स, पान ड्रग्स, नूट्राप्लस, प्राग्ना, डाइकैम, डीपीबी एंटीबायोटिक्स, दिशा एंटरप्राइजेज, मेडीफार्मा ड्रग हाउस इंडोलिनोन का आयात भी कर रही है और डिक्लोफेनक सोडियम की बिक्री कर रही है। वास्तव में, लगाए गए पाटनरोधी शुल्क इतना है कि लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की वजह से घरेलू उद्योग का किसी प्रकार से बचाव होना बहुत मुश्किल है।

घ.3 प्राधिकारी की जांच:

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इंडोलिनोन के आयातों के लिए प्रवंचनारोधी जांच तथा डीएफएस के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का विस्तार करने के लिए मैसर्स अमोली आर्गेनिक्स लि. के द्वारा नियम 26(1) के अनुसार याचिका दायर की है जिसे निम्नानुसार पढ़ा जाता है:

"(1) इसमें यथा नीचे किए प्रावधान को छोड़कर, निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग के द्वारा अथवा उसकी ओर से लिखित आवेदन प्राप्त होने पर अधिनियम की धारा 9क के तहत लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के किसी कथित प्रवंचना के अस्तित्व और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए जांच की शुरुआत कर सकता है।"

इस याचिका का मैसर्स आरती ड्रग्स और भारतीय मेषज विनिर्माता संघ का समर्थन है।

मैसर्स अमोली आर्गेनिक्स और मैसर्स आरती ड्रग्स को सामूहिक रूप से एसएसआर जांच में नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग के रूप में माना गया था, जिसके आधार पर विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क को 21 नवंबर, 2014 को अधिसूचित किया गया था।

पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

13. याचिकाकर्ता चीन में इंडोलिनोन अथवा डीएफएस के किसी निर्यातक अथवा भारत में किसी आयातक से (प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से) संबंधित नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता अथवा समर्थक ने जांच की अवधि के दौरान चीन से डीएफएस का आयात नहीं किया है। हालांकि, याचिकाकर्ता ने *** टन इंडोलिनोन अर्थात् पीयूआई का जांच की अवधि के दौरान आयात किया है।
14. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियम 26(1) में पहले से लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में घरेलू उद्योग के द्वारा दायर की जाने वाली प्रवंचनारोधी याचिका की अपेक्षा होती है। इस जांच में, एसएसआर में स्वीकार्य मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के लिए घरेलू उद्योग में ऊपर बताए अनुसार मैसर्स आरती ड्रग्स लि. और मैसर्स अमोली आर्गेनिक्स प्रा. लि. शामिल हैं। आवेदक मैसर्स अमोली आर्गेनिक्स विचाराधीन उत्पाद का एक बड़ा उत्पादक है और याचिका को मैसर्स आरती ड्रग्स का भी समर्थन है। चूंकि जांच की अवधि के दौरान मैसर्स आरती आर्गेनिक्स के द्वारा किए गए आयात पीयूआई के बारे में हैं, इसलिए नियम 26(1) के तहत यथा अपेक्षित विचाराधीन उत्पाद के लिए डीआई के रूप में याचिकाकर्ता की स्थिति और उसकी पात्रता के बारे में समझौता नहीं है।
15. तथापि, जांच की अवधि के दौरान आवेदक के द्वारा पीयूआई के आयातों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने पीयूआई के आयातों की मात्रा और मूल्य, व्यापार पैटर्न में बदलाव, पीयूआई आयातों की वजह से उपचारात्मक प्रभावों को कम करना, पीयूआई से विचाराधीन उत्पाद के मूल्य में अभिवृद्धि जैसे मुख्य मापदंडों के उद्देश्य और अविकृत मूल्यांकन को सुनिश्चित करने के लिए आवेदक के द्वारा पीयूआई के आयातों को अलग कर दिया है और उसके बाद में मैसर्स आरती ड्रग्स के लिए क्षति संबंधी आकलन भी अलग से करते हैं जो पहली एसएसआर जांच में घरेलू उद्योग का एक भाग थी और वर्तमान प्रवंचनारोधी जांच में एक समर्थक है।

प्रवंचना का प्रमाण

ड.1 निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, अन्य पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदन:

16. इस संबंध में किसी भी पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया।

ड.2 घरेलू उद्योग के द्वारा किए गए निवेदन पीआई में प्रवंचना संबंधी कार्यों के बारे में निवेदन शामिल हैं।

17. प्रवंचना के बारे में घरेलू उद्योग के द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं, जो नीचे दिए अनुसार हैं:
 - i. डीएफएस पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद मध्यवर्ती उत्पाद इंडोलिनोन के निर्यात बढ़े और इसमें तेजी आई है।
 - ii. पाटनरोधी शुल्क लगाने की वजह से चीन के उत्पादकों ने उपात्तिम मध्यवर्ती उत्पाद इंडोलिनोन का निर्यात करने के लिए तथा भारत में इसके पाटन के लिए इसे लाभप्रद माना है।
 - iii. व्यापार के पैटर्न में बदलाव आया है। संबद्ध देश से आयात इंडोलिनोन की अपेक्षा डीएफएस के लिए अधिक है, जबकि इंडोलिनोन के आयातों में पर्याप्त रूप से बढ़ोत्तरी हुई है। डीएफएस के आयातों में काफी कमी आई है।
 - iv. शुल्क लगाने के बाद में इंडोलिनोन के आयातों में हुई पर्याप्त बढ़ोत्तरी इस आशय का समर्थन करती है कि डीएफएस पर पहले लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को रोकने के लिए चीन से इंडोलिनोन का निर्यात किया जा रहा है।

ड. 3. प्राधिकारी की जांच

18. प्राधिकारी ने संबद्ध अधिनियम/नियमावली अर्थात् सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (1) और पाटन-रोधी नियमावली के नियम 25 के अंतर्गत उपरोक्त निवेदनों और आरोपित प्रवंचना के तथ्य की जांच की है, जिनमें उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार हैं:-

सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (1 क) : जब केन्द्रीय सरकार का आवश्यक समझी जाने वाली जांच करने से ऐसा विचार बनता है कि ऐसे पाटन-रोधी शुल्क के अध्वधीन ऐसी वस्तु जिस पर उप-नियम (1) के अंतर्गत पाटन-रोधी शुल्क लगाया गया है, के विवरण अथवा नाम अथवा संरचना

में परिवर्तन करके अथवा उसको जोड़े बिना अथवा उसके जोड़ रहित रूप में अथवा किसी वस्तु के आयात द्वारा उसके रूप में अथवा उसके मूल देश में किसी प्रकार के परिवर्तन करने से अथवा उसके निर्यात से अथवा किसी भी अन्य तरीके से उसकी प्रवंचना हो रही है, जिससे इस प्रकार से लगाया गया पाटन-रोधी शुल्क निष्प्रभावी हो जाता है, तो वह ऐसी वस्तु पर अथवा ऐसे मूल देश की वस्तु अथवा ऐसे देश से निर्यातित वस्तु पर, जैसी भी स्थिति हो, पाटन-रोधी शुल्क का विस्तार कर सकती है।

पाटन-रोधी नियमावली के नियम 25 : पाटन-रोधी शुल्क की प्रवंचना - (1) जब पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन किसी वस्तु के मूल देश सहित किसी भी देश से अथवा पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने के प्रयोजनार्थ अधिसूचित निर्यातक देश से ऐसी जोड़ी नहीं गई, तैयार नहीं की गई अथवा अपूर्ण रूप में वस्तु का भारत में आयात किया जाता है और उसे भारत में अथवा ऐसे देश में जोड़ा जाता है, तैयार किया जाता है अथवा पूरा किया जाता है, तो ऐसी वस्तु के जोड़े जाने, तैयार करने अथवा पूरा करने को लागू पाटन-रोधी शुल्क की प्रवंचना माना जाएगा, यदि -

- (क) पाटन-रोधी जांच शुरू करने से पहले उसका प्रचालन कार्य शुरू किया गया है अथवा बढ़ाया गया है और उसके कलपुर्जे और संघटक उसके मूल देश से अथवा पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने के प्रयोजनार्थ अधिसूचित निर्यातक देश से आयात किए गए हैं और
- (ख) ऐसे जोड़े जाने, तैयार किए जाने अथवा प्रचालन कार्य के पूरा होने के परिणामस्वरूप उसका मूल्य, जोड़ी गई, तैयार की गई अथवा पूरी वस्तु बनने के पैंतीस प्रतिशत से कम होता है।

स्पष्टीकरण 1- "मूल्य" का तात्पर्य वस्तु के जोड़े जाने, पूरा करने अथवा तैयार होने के ऐसे मूल्य से है जो कि आयातित कल पुर्जों अथवा संघटकों के मूल्य से कम है।

स्पष्टीकरण 2 - "मूल्य" का परिकलन करने के प्रयोजनार्थ बौद्धिक सम्पदा अधिकारों, रायल्टी, तकनीकी जानकारी शुल्क तथा परामर्शी प्रभार से संबंधित भुगतान पर होने वाले व्यय को शामिल नहीं किया जाएगा।

(2)

(3)

स्पष्टीकरण - इस उप-नियम के प्रयोजनार्थ यह प्रमाणित किया जाएगा कि व्यापार की पद्धति, व्यापार के पेटर्न अथवा बिक्रियों के माध्यमों में परिवर्तन हुआ है, यदि निम्नलिखित शर्तों को पूरा कर लिया जाता है -

- (क) पाटन-रोधी शुल्क को लगाए जाने से भिन्न औचित्य, आर्थिक अथवा अन्य कारणों की कमी।
- (ख) ऐसा प्रमाण कि कीमत के रूप में और अथवा समान उत्पादों की गुणवत्ता के रूप में पाटन-रोधी शुल्कों के उपचारी प्रभावों को दुर्बल बनाया गया है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 25 (1) (क) के अनुसार प्रवंचना के प्रारंभ होने और उसमें वृद्धि होने के तथ्य को सिद्ध करना आवश्यक है तथा नियम 25 (1) (ख) में यह प्रमाणित करने की आवश्यकता है कि मूल्य संवर्धन उक्त तथ्य से सहयोजित है जो कि इस उप-नियम में निर्धारित अवसीमा के अनुसार हैं।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पहले पाटन-रोधी शुल्क, दिनांक 10 अप्रैल, 2008 की सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 46/2008-सीमाशुल्क द्वारा संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर लगाया गया था। विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की गई थी तथा निर्धारण करने के बाद केन्द्रीय सरकार द्वारा दिनांक 21 नवंबर, 2014 की सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 44/2014-सीमाशुल्क द्वारा पाटन-रोधी शुल्क को आगे बढ़ा दिया गया था। ऐसे लगाए गए शुल्क प्रभावी है। प्राधिकारी को पाटन-रोधी शुल्क को लगाए जाने के बाद अर्थात् वर्ष 2008-09 से जांच अवधि तक मौजूदा पाटन-रोधी शुल्क की प्रवंचना के प्रारंभ होने और उसके बढ़ने के तथ्य की जांच करने की आवश्यकता है। प्राधिकारी ने इसकी भी जांच की है कि क्या व्यापार के पेटर्न में कोई परिवर्तन हुआ है और क्या ऐसे परिवर्तन से ऐसी पद्धति, प्रक्रिया अथवा कार्य रूका है, जिसके लिए शुल्क को लगाने

से भिन्न कोई अपर्याप्त उचित कारण अथवा आर्थिक औचित्य था। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, आवेदक द्वारा पीयूआई के आयातों को शामिल नहीं किया गया है। नीचे दी गई तालिका-1 में व्यापार के पेटर्न का उल्लेख किया गया है।

तालिका 1 - विचाराधीन उत्पाद पर पाटन-रोधी शुल्क लागू करने से पीयूआई/पीयूसी के व्यापार का पेटर्न

वर्ष	आयात इंडोलिनोन (पीयूआई) (मी.टन) (1)	आयात डीएफएस (पीयूसी) (मी.टन) (2)	कीमत (रुपए/ कि.ग्राम) पीयूआई	कीमत (रुपए/ कि.ग्राम) पीयूसी	संगत अनुपात पीयूआई/ पीयूसी	प्राप्त संगत अनुपात पीयूआई/ पीयूसी
2008-09	68.20	67.15	349.10	350.85	1.02	0.99
2009-10	104.50	110.51	327.96	337.81	0.95	0.92
2010-11	157.00	46.38	342.20	351.94	3.39	3.28
2011-12	215.08	91.40	392.53	446.32	2.35	2.28
2012-13	132.00	27.40	446.46	538.30	4.82	4.67
2013-14	271.80	4.00	362.06	537.48	67.95	65.91
2014-15	702.02	54.40	350.01	443.24	12.90	12.52
अप्रैल 15- सितंबर 15	280.00	8.50	320.93	483.94	32.94	31.95
जांच अवधि	982.02	62.90	341.69	448.74	15.61	15.14

*स्रोत -डीजीसीआईएंडएस/द्वितीयक स्रोत।

19. यह नोट किया जाता है कि पाटन-रोधी शुल्क लागू करने के बाद चीन से डीएफएस के आयातों की मात्रा में गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त चीन से इंडोलिनोन के आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस प्रकार यह देखा गया है कि जबकि डीएफएस के आयातों की मात्रा में गिरावट आई है, पाटन-रोधी शुल्क लागू करने के बाद इंडोलिनोन के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

पाटन-रोधी शुल्क लगाने के बाद इंडोलिनोन के आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने तथा डीएफएस के आयातों में गिरावट आने से यह पता चलता है कि व्यापार के पेटर्न में परिवर्तन हुआ है।

मात्रात्मक तुलना करने के आधार पर प्रवृत्ति करने वाले उत्पाद नामतः इंडोलिनोन (पीयूआई) का निरोधित उत्पाद नामतः डीएफएस (पीयूसी) के साथ तुलनात्मक अनुपात से ऐसा पता चलता है कि व्यापार की प्रवृत्ति 1.02 से बढ़ कर 15.61 हो गई है। यदि आयातित

इंडोलिनोन का परिवर्तन करने से प्राप्त डीएफएस के अनुपात की तुलना डिसियोफेंस सोडियम के आयातों के साथ की जाती है, तो यह 0.99 से बढ़ कर 15.14 हो गया है।

पाटन-रोधी नियमावली के नियम 25 (1) (ख) में यह अपेक्षित है कि "ऐसे जोड़े जाने, तैयार किए जाने अथवा प्रचालन कार्य के पूरा होने के परिणामस्वरूप तैयार वस्तु का मूल्य, जोड़ी गई, तैयार की गई अथवा पूरी वस्तु बनने के पैंतीस प्रतिशत से कम हो"। चूंकि चीन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने इस संबंध में कोई उत्तर नहीं दिया है, इसलिए प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान इंडोलिनोन से डीएफएस तक के मूल्य संवर्धन का मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थ पैरा 6 (8) के प्रावधानों के अनुसार मेसर्ज अमोली आर्गेनिक्स लिमिटेड (आवेदक) और मेसर्ज आरती ड्रग्स लिमिटेड (समर्थक) दोनों के उत्पादन की लागत के आंकड़ों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने उपरोक्त पैरा 15 में यह पाया है कि मेसर्ज अमोली आर्गेनिक्स लिमिटेड के आयातों को बाहर रखे जाने की आवश्यकता है ताकि व्यापार के पेटर्न में परिवर्तन, पीयूआई के आयातों, पीयूआई के आयातों की मात्रा और मूल्य के कारण उपचारी प्रभाव के दुर्बल होने तथा पीयूआई से पीयूसी में मूल्य संवर्धन को विकृत नहीं किए जाने जैसे मुख्य प्राचलों का विश्लेषण किया जाए तथा मेसर्ज आरती ड्रग्स लिमिटेड के लिए क्षति का मूल्यांकन किया जाए। तदनुसार जैसा कि उपरोक्त पैरा 15 में उल्लेख किया गया है, तथ्यों के कारण मेसर्ज आरती ड्रग्स लिमिटेड के आंकड़ों को ही ध्यान में रखा गया है। नियम 25 (1) (ख) के अनुसार इंडोलिनोन (पीयूआई) से डीएफएस (पीयूसी) में मूल्य संवर्धन का मूल्यांकन किया गया है, जिसका उल्लेख नीचे तालिका-2 में किया गया है और यह 20% से 30% है।

तालिका - 2 : जांच अवधि के दौरान इंडोलिनोन (पीयूआई) को डिक्लोफेंस सोडियम (पीयूसी) में प्रवर्तित करने पर मूल्य संवर्धन

	मेसर्ज अमोली आर्गेनिक्स लिमिटेड		मेसर्ज आरती ड्रग्स लिमिटेड	
	2014-15 (रुपए/कि.ग्राम)	2015 – 16 (6 मास) (रुपए/कि.ग्राम)	2014 – 15 (रुपए/कि.ग्राम)	2015 – 16 (6 मास) (रुपए/कि.ग्राम)
इंडोलिनोन की लागत	****	****	****	****
डीएफएस की लागत	****	****	****	****
मूल्य संवर्धन	****	****	****	****
मूल्य संवर्धन (%)	20-30	20-30	20-30	20-30

*अमोली ऑर्गेनिक्स के लिए औसत - ***** रुपए/कि.ग्राम (20%-30%)

आरती ड्रग्स के लिए औसत - ***** रुपए/कि.ग्राम (20%-30%)

20. आयातित पीयूआई से प्राप्त विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) का पहुंच मूल्य, अर्थात् (20% - 30%) मूल्य संवर्धन सहित पीयूआई के पहुंच मूल्य का समायोजन करने के बाद, तैयार वस्तु के चीन से सीधे आयात किए जाने पर मौजूदा पाटन-रोधी शुल्क सहित विचाराधीन उत्पाद के पहुंच मूल्य से कम है।

21. प्राधिकारी ने लागत लाभ के विश्लेषण और डीएफएस के बजाय इंडोलिनोन के उत्पादन और निर्यात से प्राप्त अन्य आर्थिक लाभ/लागत की बचत को ध्यान में रख कर व्यापार के पेटर्न में हुए परिवर्तन और उपायों को लागू करने के बीच की समानता की जांच की है।

प्राधिकारी ने इंडोलिनोन से डीएफएस का उत्पादन करने की प्रक्रिया में निहित मूल्य संवर्धन पर विचार किया है। इंडोलिनोन से डीएफएस का उत्पादन करने की प्रक्रिया में निहित मूल्य संवर्धन, विधि में निर्धारित सीमाओं से काफी कम है। इंडोलिनोन का उत्पादन, डिकलोफेनाक सोडियम के विनिर्माण की प्रक्रिया का पहल कदम मात्र है, जिसके बाद उसका डाईड्रोलेसिस डिकलोफेस सोडियम पैदा करता है। पाटन-रोधी शुल्क लागू होने के कारण चीन के उत्पादकों ने इंडोलिनोन स्तर पर अपूर्ण डीएफएस के उत्पादन को बंद करना और उसको भारत में निर्यात करना लाभप्रद पाया है। इस प्रकार जांच करने से ऐसा पता चला है कि चीन में उत्पादकों द्वारा डीएफएस पर लागू पाटन-रोधी शुल्क के तथ्य के लिए विचाराधीन उत्पाद के बजाए पीयूआई के निर्यात पर लाभ प्राप्त करने से भिन्न कोई आर्थिक औचित्य नहीं है, जिसके फलस्वरूप इंडोलिनोन के आयात हुए हैं।

व्यापार के पेटर्न में ऐसा परिवर्तन होने से मूल्य संवर्धन, निर्धारित अवसीमा से कम है और समग्र रूप से विचाराधीन उत्पाद की अपेक्षा पीयूआई के निर्यात करने से पाटन-रोधी शुल्क की प्रवंचना से लाभ प्राप्त करना है जो कि प्रवंचना का एक तथ्य है।

च. पीयूआई का पाटन और पाटन-रोधी शुल्क के उपचारी प्रभाव को दुर्बल बनाना

च. 1. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों/अन्य पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

22. इस संबंध में किसी भी पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है।

च. 2. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

23. पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। विगत में यूरोपीय यूनियन और संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा उसे ऐसा ही माना गया है। किसी भी देश ने व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया का अनुपालन और जांच करने के बाद चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा स्वीकृत नहीं किया है। भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 31 मई, 2002 में संशोधन के बाद चीन के खिलाफ शुरू की गई सभी जांच में व्यवहारिक रूप से चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है।
- (2) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को ध्यान में रख कर पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। ऐसी की गई तुलना को उचित तुलना माना जाना चाहिए। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत दोनों का निर्धारण, कारखाना-गत स्तर पर किया गया है।
- (3) घरेलू उद्योग की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाता है।
- (4) वर्ष 2002, वर्ष 2008 और वर्ष 2014 में प्राधिकारी द्वारा की गई विगत पाटन-रोधी शुल्क संबंधी जांच में चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। प्राधिकारी मौजूदा जांच में भी चीन के निर्यातकों को वही दर्जा प्रदान करने पर विचार कर सकते हैं।

24. क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) ऐसी कंपनियां जिनके पास डीएफएस का उत्पादन करने के संयंत्र पहले से ही स्थापित हैं, वे इंडोलिनोन के आयात कर रहीं हैं और अब वे डिकलोफेस सोडियम भी निर्मित कर रहीं हैं और उसे बाजार में बेच रही हैं। इससे डिकलोफेस सोडियम पर शुल्क लगाना निरर्थक हो गया है।
- (2) उत्पाद की कीमतों और मात्रा के संदर्भ में व्यापार के पेटर्न में अत्यधिक परिवर्तन हुआ है और इससे डीएफएस के आयातों पर पहले लगाए गए पाटन-रोधी शुल्क के उपचारी प्रभाव दुर्बल हो रहे हैं।
- (3) इंडोलिनोन की मात्रा में वृद्धि होने का सीधा ऐसा परिणाम पड़ा है कि घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तुओं के बाजार पर्याप्त रूप से कम हो गए हैं।

च. 3. प्राधिकारी की जांच

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 26 (4) में यह प्रमाणित करना अपेक्षित है कि मौजूदा पाटन-रोधी शुल्क की प्रवंचना करने वाली वस्तु पाटित की जाती है। इसके अतिरिक्त नियम 26 (5) में यह भी उल्लेख है कि नियम 6 की साक्ष्य, प्रक्रिया की अपेक्षाएं आवश्यक परिवर्तन सहित इस नियम के अंतर्गत की जाने वाली जांच पर लागू होंगी।

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत सामान्य मूल्य को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :

“(ग) किसी वस्तु के संबंध में “सामान्य मूल्य” का तात्पर्य है :

(1) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(2) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत :

अनुबंध-1 के साथ नियम 10 में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने की कार्य-प्रणालियां उल्लिखित हैं।

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

28. नियम 6 (8) में यह प्रावधान है कि "यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित समय के भीतर आवश्यक सूचना का अभिगमन करने से मना करता है अथवा उसे प्रदान नहीं करता है अथवा जांच में अत्यधिक अडचन पैदा करता है, तो ऐसी स्थिति में निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष को दर्ज कर सकते हैं और ऐसी परिस्थितियों में वे जैसा भी उचित समझते हैं, केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं।"

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब कि याचिकादाता ने यह निवेदन किया है कि चूंकि वर्तमान मामले में किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए तथा याचिकादाता द्वारा बाजार की स्थिति पर उठाए गए मुद्दों की जांच करने के लिए नियम 6 (8) का सहारा लेने की आवश्यकता है।

30. प्राधिकारी ने नियम 6 (8) का प्रयोग करके पीयूआई नामतः इंडोलिनोन के लिए सामान्य मूल्य की संरचना, कच्चे माल, प्रयोज्यताओं और क्षमता उपयोग के श्रेष्ठ उपयोग मानदंडों के आधार पर तथा अंतर्राष्ट्रीय कच्चे माल की कीमतें, जहां कहीं भी लागू होती हैं, उनके आधार पर तथा आवेदक से उपलब्ध सूचना के आधार पर की है।

31. जांच अवधि में पीयूआई की कारखाना-गत निर्यात कीमत का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों को अपनाया गया है। आवेदक द्वारा किए गए पीयूआई के आयातों को विश्लेषण से बाहर रखा गया है, ताकि ऐसी किसी भी विकृति की संभावना को समाप्त किया जा सके जो कि ऐसे आयातों को

शामिल किए जाने से उत्पन्न हो सकती है। जांच अवधि के दौरान पीयूआई की भारित औसत "सीआईएफ" कीमत 341.69 रुपए/कि.ग्राम मानी गई है। समुद्री भाडे, समुद्री बीमा, कमीशन, पत्तन व्यय, बैंक प्रभारों और अंतरदेशीय भाडा व्यय के कारण होने वाले समायोजन को क्रमशः *** \$/मी.टन, सीआईएफ का **%, एफओबी का **%, एफओबी का **%, एफओबी का **%, माना गया है, जो कि याचिकादाता द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर है तथा विगत में ऐसे समायोजन से संबंधित मानदंडों पर प्राधिकारी की सुसंगत पद्धति रही है। नीचे दी गई तालिका - 3 में पाटन मार्जिन का परिकलन दर्शाया गया है।

तालिका - 3 पाटन मार्जिन का परिकलन

क्रमांक	समायोजन	\$/मी.टन
1.	संरचित सामान्य मूल्य	****
2.	सीआईएफ आयात कीमत	****
3.	समुद्री भाडा	****
4.	समुद्री बीमा	****
5.	एफओबी निर्यात कीमत	****
6.	कमीशन	****
7.	पत्तन व्यय	****
8.	बैंक प्रभार	****
9.	अंतरदेशीय भाडा व्यय	****
10.	निबल निर्यात कीमत	****
पाटन मार्जिन		****
पाटन मार्जिन (%)		20-30

पाटन मार्जिन *** \$/मी.टन (20% - 30%) माने जाने का प्रस्ताव है, जो कि अत्यधिक है तथा पाटन-रोधी नियमावली के अंतर्गत न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।

प्रवंचना द्वारा विचाराधीन उत्पाद पर मौजूदा पाटन-रोधी शुल्क के उपचारी प्रभाव को दुर्बल बनाना

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 26 (4) में यह निर्धारित है कि नियम (6) में उल्लिखित साक्ष्य और प्रक्रिया संबंधी प्रावधान आवश्यक संशोधन सहित लागू किए जाएं। नियम 6 (1) (4) में आरोपित क्षति के कारकों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग को क्षति के रूप में पीयूआई के पाटित आयातों के प्रकटीकरण की जांच, कीमत और मात्रात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करके नियम 11 और अनुबंध 2 में उल्लिखित प्रावधान के अनुसार की गई है

(क) मात्रात्मक प्रभाव

33. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पीयूसी और पीयूआई दोनों के आयातों की मात्रा और मूल्य का मूल्यांकन करने के लिए डीजी प्रणाली तथा डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदत्त कारोबार-बार आयात आंकड़ों पर विचार किया है। जबकि

वर्ष 2011-12 के बाद की अवधि में इंडोलिनोन के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है, डीएफएस के आयातों में गिरावट आई है। वास्तव में इंडोलिनोन के आयातों में उस स्तर से अधिक वृद्धि हुई है, जिस स्तर पर डीएफएस के आयात किए जा रहे थे, जैसा कि नीचे तालिका - 4 में दर्शाया गया है।

तालिका - 4 पीयूसी और पीयूआई का व्यापार पेटर्न

वर्ष	मात्रा - मी. टन		दर - रुपए/कि.ग्राम	
	डीएफएस	आईएनडीओ	डीएफएस	आईएनडीओ
2008-09	67.15	68.20	350.85	349.10
2009-10	110.51	104.50	337.81	327.96
2010-11	46.38	157.00	351.94	342.20
2011-12	91.40	215.08	446.32	392.53
2012-13	27.40	132.00	538.30	446.46
2013-14	4.00	271.80	537.48	362.06
2014-15	54.40	702.02	443.24	350.01
अप्रैल 15 – सितंबर 15	8.50	280.00	483.94	320.93
जांच अवधि	62.90	982.02	448.74	341.69

पीयूआई के परिवर्तन कारक के साथ यथा-परिकलित पीयूसी की मांग को नीचे तालिका -5 में दर्शाया गया है।

तालिका - 5 : क्षति अवधि के लिए पीयूसी की मांग

विवरण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
आयात (पीयूआई)	215.08	132.00	271.80	702.02	1,092.02	728.02
आयात (पीयूसी)	91.40	27.40	4.00	54.40	62.90	41.93
परिवर्तन कारक	***	***	***	***	***	***
परिकलित आयात	***	***	***	***	***	***
कुल आयात	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	51.81	89.21	245.10	374.03	249.35
घरेलू बिक्रियां - अमोली	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	79.42	79.55	104.75	159.53	106.35
केप्टिव खपत - अमोली	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	125.84	109.47	141.87	211.27	140.85
घरेलू बिक्रियां - आरती	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	95.62	120.74	122.07	203.16	135.44

केप्टिव खपत - आरती	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	4.88	24.28	0.30	2.74	1.83
अन्य उत्पादकों की बिक्रियां	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	91.48	76.94	80.83	123.43	82.29
केप्टिव मांग रहित कुल मांग	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	79.79	88.90	133.69	207.19	138.13
केप्टिव मांग सहित कुल मांग	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	80.49	86.41	123.05	189.52	126.35

प्राधिकारी यह पाते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य से अधिकतर आयात डिसियोफेनाक सोडियम के किए गए थे, जिनकी मात्रा में पाटन-रोधी शुल्क लागू करने के बाद गिरावट आई है। तथापि, डीएफएस पर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने के बाद पीयूआई, इंडोलिनोन के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है और अब उनमें ऐसी वृद्धि उस स्तर से भी अधिक हो गई है, जिस स्तर पर पहले उन्हें पाटित किया जा रहा था।

घरेलू उद्योग, मेसर्ज अमोली आर्गेनिक्स तथा मेसर्ज आरती ड्रग्स को हुई समग्र मात्रा की क्षति के मूल्यांकन को नीचे तालिका - 6 (क), 6 (ख) और 6 (ग) में दर्शाया गया है।

तालिका - 6 (क) : विचाराधीन उत्पाद (डीएफएस) का क्षति मूल्यांकन - घरेलू उद्योग

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि	जांच अवधि*
क्षमता	मी.टन	1,550	1,905	1,905	2,280	3,420	2,280
उत्पादन	मी.टन	1,327	1,557	1,430	1,783	2,656	1,771
क्षमता उपयोग	%	86%	82%	75%	78%	78%	78%
बिक्रियां							
घरेलू	मी.टन	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	86.19	97.03	112.06	177.97	118.71
केप्टिव खपत	मी.टन	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	82.59	79.06	91.06	136.71	91.06
निर्यात	मी.टन	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	173.98	146.43	177.04	257.40	171.68
कुल बिक्रियां	मी.टन	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	109.94	105.55	124.06	187.90	125.22
औसत स्टॉक	मी.टन	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	109.33	138.67	182.67	206.67	206.67
डी 1 रिहत मांग	मी.टन	****	****	****	****	****	****

सूचीबद्ध		100.00	79.78	88.91	133.67	207.16	138.08
डी 2 सहित मांग	मी.टन	****	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	80.48	86.38	123.00	189.50	126.30
सकल आयात के प्रतिशत के रूप में घरेलू विक्रियां	%	191%	317%	207%	87%	91%	91%

तालिका - 6 (ख) : विचाराधीन उत्पाद (डीएफएस) का क्षति मूल्यांकन - अमोली आर्गेनिक्स

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि	जांच अवधि*
क्षमता	मी.टन	****	****	****	****	****	****
उत्पादन	मी.टन	****	****	****	****	****	****
क्षमता उपयोग	%	****	****	****	****	****	****
विक्रियां		****	****	****	****	****	****
घरेलू	मी.टन	****	****	****	****	****	****
केप्टिव खपत	मी.टन	****	****	****	****	****	****
निर्यात	मी.टन	****	****	****	****	****	****
कुल विक्रियां	मी.टन	****	****	****	****	****	****
औसत स्टॉक	मी.टन	****	****	****	****	****	****
डी 1 रिहत मांग	मी.टन	****	****	****	****	****	****
डी 2 सहित मांग	मी.टन	****	****	****	****	****	****
सकल आयात के प्रतिशत के रूप में घरेलू विक्रियां	%	****	****	****	****	****	****

टिप्पणी : डी 1 = केप्टिव खपत रहित

डी 2 = केप्टिव खपत सहित

जांच अवधि - अप्रैल, 2014 - सितंबर, 2015

जांच अवधि * - वार्षिकीकृत

तालिका - 6 (ग) : विचाराधीन उत्पाद (डीएफएस) का क्षति मूल्यांकन - आरती ड्रग्स							
विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि	जांच अवधि*
क्षमता	मी.टन	****	****	****	****	****	****
उत्पादन	मी.टन	****	****	****	****	****	****
क्षमता उपयोग	%	****	****	****	****	****	****
बिक्रियां		****	****	****	****	****	****
घरेलू	मी.टन	****	****	****	****	****	****
केप्टिव खपत	मी.टन	****	****	****	****	****	****
निर्यात	मी.टन	****	****	****	****	****	****
कुल बिक्रियां	मी.टन	****	****	****	****	****	****
औसत स्टॉक	मी.टन	****	****	****	****	****	****
डी 1 रिहत मांग	मी.टन	****	****	****	****	****	****
डी 2 सहित मांग	मी.टन	****	****	****	****	****	****
सकल आयात के प्रतिशत के रूप में घरेलू बिक्रियां	%	****	****	****	****	****	****

टिप्पणी : डी 1 = केप्टिव खपत रहित

डी 2 = केप्टिव खपत सहित

जांच अवधि - अप्रैल, 2014 - सितंबर, 2015

जांच अवधि * - वार्षिकीकृत

डीएफएस के समग्र आयातों के संबंध में घरेलू बिक्रियों के आपेक्षिक बाजार हिस्से के रूप में मात्रा के प्रभाव को प्रकट किया जाता है (जो कि सीधे और इंडोलिनोन से प्रवंचित है), जिसमें मेसर्ज अमोली आर्गेनिक्स लिमिटेड के लिए *** से *** तक की गिरावट आई है, जो कि *** से घट कर *** रह गया है तथा मेसर्ज आरती ड्रग्स लिमिटेड के लिए ***

से *** तक की गिरावट आई है, जो कि *** से घट कर *** रह गया है। इससे पता चलता है कि घरेलू उद्योग/आवेदक/समूह के आपेक्षिक बाजार के हिस्सों में तेजी से गिरावट आई है।

(ख) कीमत प्रभाव

34. घरेलू बाजार की कीमतों पर इंडोलिनोन के आयातों के प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती होने के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से पीयूआई के लिए आयातों की पहुंच कीमत की तुलना, उपयुक्त समायोजन करने के बाद घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की डीएफएस की बिक्री कीमत के साथ की गई थी, ताकि डीएफएस की कीमत प्राप्त की जा सके। ऐसा करते समय प्राधिकारी ने उचित और अविकृत तुलना सुनिश्चित करने के लिए मेसर्ज अमोली आर्गेनिक्स लिमिटेड द्वारा किए गए पीयूआई के आयातों को शामिल नहीं किया है। घरेलू उद्योग की निबल बिक्री वसूली का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा करें, ब्रूट, डिस्काउंट्स तथा कमीशन पर किए गए खर्च का समायोजन किया गया है। इसके अतिरिक्त चूंकि घरेलू उद्योग ने डीएफएस का उत्पादन और आपूर्ति की है, जबकि चीन से इस उत्पाद को अपरिष्कृत रूप में आयातित किया गया है, इसलिए भारत में इंडोलिनोन को डीएफएस में परिवर्तित करने पर हुए व्यय को प्राधिकारी द्वारा मूल्य संवर्धन के आधार पर जोड़ा गया है। इस प्रकार इंडोलिनोन के आयातों की पहुंच कीमत का समायोजन, मूल्य संवर्धन की राशि से अधिक किया गया है तथा ऐसा करने के बाद उसकी तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ की गई है। ऐसी तुलना करने से पता चला है कि इंडोलिनोन के आयातों की समायोजित पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग द्वारा डीएफएस की बिक्री कीमत से अत्यधिक कम है। इस प्रकार इंडोलिनोन के आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है तथा उनका उस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संबद्ध देश से सूचित की जा रही डिक्लोफेनाक सोडियम की आयात कीमत में वृद्धि हुई है, जबकि इंडोलिनोन की आयात कीमत में गिरावट आई है। वास्तव में इससे विचाराधीन उत्पाद पर लगाए गए पाटन-रोधी शुल्क की प्रभावकारिता विक्षिप्त हुई है। यह नोट किया जाता है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने के बाद इंडोलिनोन के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जिसे बाद में भारत में डिक्लोफेनाक सोडियम के रूप में संसाधित किया जा रहा है। इंडोलिनोन के आयातों की पहुंच कीमत, वास्तव में इंडोलिनोन और डीएफएस के बीच होने वाले मूल्य संवर्धन के लिए उचित समायोजन करने के बाद घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। प्रवंचित उत्पाद नामतः इंडोलिनोन द्वारा डीएफएस की घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों की कीमत में कटौती की जा रही है, जिसकी जांच निर्धारित मूल्य संवर्धन को जोड़ कर इंडोलिनोन से डीएफएस की पहुंच कीमत की संरचना करके की गई है। ऐसा देखा गया है कि वर्ष 2013-14 को छोड़ कर कीमत में कटौती सकारात्मक हुई है। साथ ही क्षति अवधि को दौरान इंडोलिनोन से डीएफएस की परिकलित कीमत भी लगभग वही बनी रही है, जो कि सीधे आयातित डीएफएस (पाटन-रोधी शुल्क सहित) की पहुंच कीमत के बराबर है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मौजूदा पाटन-रोधी उपाय को दुर्बल नहीं बनाया गया है। तथापि, इसके अत्यधिक कम होने का पता चला है।

नीचे तालिका -7 में प्रवचना की मात्रा का उल्लेख किया गया है।

तालिका - 7 : प्रवचना की मात्रा

पहुंच मूल्य	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
पहुंच मूल्य (पाटन-रोधी शुल्क रहित डीएफएस)	रुपए/कि.ग्राम	485.60	585.69	584.78	482.25	488.24
पहुंच मूल्य (पाटन-रोधी शुल्क सहित डीएफएस)	रुपए/कि.ग्राम	629.60	729.69	728.78	652.89	658.33

पहुंच मूल्य (इंडालिनोन)	रुपए/कि.ग्राम	427.08	485.76	393.93	380.82	371.77
पहुंच मूल्य (परिकलित डीएफएस)	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
अपवचना की मात्रा	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****

नीचे तालिका - 8 (क) से ले कर तालिका - 8 (ग) में घरेलू उद्योग पर कीमत के प्रभाव का उल्लेख किया गया है।

तालिका - 8 (क)

घरेलू उद्योग - कीमत में कटौती/कम कीमत पर बिक्री						
		2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
निबल बिक्री कीमत	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
बिक्रियों की लागत	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
कीमत में कटौती	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	-141.52	69.10	177.63	107.50
कम कीमत पर बिक्री	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
कम कीमत पर बिक्री (सूचीबद्ध)		-100.00	-380.05	180.31	311.85	304.01

तालिका - 8 (ख)

अमोली आर्गेनिक्स - कीमत में कटौती/कम कीमत पर बिक्री						
	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
निबल बिक्री कीमत	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
बिक्रियों की लागत	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
कीमत में कटौती	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	-111.02	105.19	245.08	220.99
कम कीमत पर बिक्री	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	269.41	-231.29	-360.40	-386.96

तालिका - 8 (ग)

आरती ड्रग्स - कीमत में कटौती/कम कीमत पर बिक्री						
	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
निबल बिक्री कीमत	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
बिक्रियों की लागत	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
कीमत में कटौती	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	-168.87	39.67	108.63	2.57
कम कीमत पर बिक्री	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	722.95	43.27	-80.35	56.79
कम कीमत पर बिक्री	रुपए/कि.ग्राम	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		-100.00	-269.41	231.29	360.40	386.96

नीचे तालिका - 9 में 2 उत्पादकों के क्षति मार्जिन को पृथक रूप से दर्शाया गया है, जो कि सकारात्मक नोट किया गया है।

तालिका - 9 : क्षति मार्जिन – जांच अवधि

प्राचल	मेसर्ज अमोली आर्गेनिक्स लिमिटेड (रुपए/कि.ग्राम)	मेसर्ज आरती ड्रग्स लिमिटेड (रुपए/कि.ग्राम)
पहुंच मूल्य	457.28	457.28
क्षति-रहित कीमत	****	****
क्षति मार्जिन	****	****
क्षति मार्जिन %	10-20	2-12

35. प्रकटन पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियां

- (क) डिक्लोफेस सोडियम के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने के बाद चीन से इंडोलिनोन के आयातों में वृद्धि हुई है।
- (ख) इंडोलिनोन को डीएफएस में परिवर्तित करने की हाईड्रोलिसिस की प्रक्रिया है।
- (ग) इंडोलिनोन में डीएफएस की विशेषताएं हैं।
- (घ) इंडोलिनोन को डीएफएस में परिवर्तित करने की उत्पादन प्रक्रिया में मूल्य संवर्धन 35% से कम है।
- (ङ) चीन से डीएफएस पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने के बाद चीन से इंडोलिनोन के आयातों में वृद्धि हुई है, जो यह प्रमाणित करता है कि व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन हुआ है।
- (च) इंडोलिनोन के आयातों में वृद्धि के लिए कोई आर्थिक औचित्य नहीं है। इंडोलिनोन को डीएफएस में परिवर्तित करना एक हाईड्रोलिसिस प्रक्रिया मात्र है। चीन के लिए ऐसी प्रक्रिया को बंद करना और इंडोलिनोन के निर्यात करना सुगम है।
- (छ) पीयूआई के आयात पाटन कीमतों पर होते हैं और पाटन मार्जिन अत्यधिक है।
- (ज) इंडोलिनोन के आयातों के कारण कीमतों में कटौती हो रही है।
- (झ) डीएफएस पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने के बाद इंडोलिनोन के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (ञ) इंडोलिनोन के आयात उस स्तर से अधिक है, जिस स्तर पर पहले डीएफएस के आयात होते थे।
- (ट) डीएफएस की आयात कीमत में वृद्धि हुई है, लेकिन इंडोलिनोन के लिए उसमें गिरावट आई है।

- (ठ) अत्यधिक संख्या में आयातक इंडोलिनोन के आयात कर रहे हैं और उसको बेच रहे हैं।
- (ड) पाटित कीमतों पर इंडोलिनोन के अत्यधिक आयातों को ध्यान में रखते हुए डीएफएस पर मौजूदा पाटन-रोधी शुल्क का विस्तार करना आवश्यक समझा गया है।

36. प्राधिकारी द्वारा जांच

चीन के दूतावास/किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने पहले से किए गए अपने निवेदनों को ही दोहराया है, जिनका निदान इस अंतिम जांच परिणाम में प्रवंचना और उपचारी उपायों को दुर्बल बनाने के तर्क के विशेष शीर्ष के अंतर्गत कर दिया गया है।

निष्कर्ष

37. हितबद्ध पक्षकारों के तर्क की जांच करने तथा उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि -

- (1) प्रवंचित किया जा रहा उत्पाद नामतः इंडोलिनोन के आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और डीएफएस पर पाटन-रोधी उपाय लागू किए जाने के बाद डीएफएस के आयातों में गिरावट आई है।
- (2) प्रवंचित किया जा रहा उत्पाद नामतः इंडोलिनोन को प्रवंचित किए जा रहे उत्पाद (डीएफएस) में परिवर्तित करने पर मूल्य संवर्धन, नियमावली में निर्धारित संवर्धन से कम हुआ है।
- (3) जांच अवधि के दौरान प्रवंचित किए जा रहे उत्पाद अर्थात् इंडोलिनोन के निर्यात, पाटित कीमतों पर किए गए हैं।

प्रवंचित किए जा रहे उत्पाद नामतः इंडोलिनोन ने प्रवंचित उत्पाद अर्थात् डीएफएस पर मौजूदा पाटन-रोधी शुल्क को दुर्बल बना दिया है, जो कि दिनांक 30 जुलाई, 2008 की सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 91/2008-सीमाशुल्क (एडीडी) और दिनांक 21 नवंबर, 2014 की सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 44/2014-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा लगाया गया था।

सिफारिशें

38. प्राधिकारी निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम-9 में तदनुसूची प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट किए गए अनुसार माप की प्रति इकाई के अनुरूप तथा कॉलम-10 में तदनुसूची प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट किए गए अनुसार मुद्रा में, कॉलम-8 में तदनुसूची प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट किए गए अनुसार धनराशि के बराबर दर पर “इंडोलिनोन” पर भी सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 44/2014-सी.शु. (एडीडी) दिनांक 21 नवंबर, 2014 द्वारा लगाए गए डीएफएस पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

i. पाटन-रोधी शुल्क वित्त मंत्रालय, केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी उसकी अधिसूचना की तारीख से लागू होगा।

ii. इसके अतिरिक्त पाटन-रोधी शुल्क की वैधता, दिनांक 21 नवंबर, 2014 की सीमा शुल्क की अधिसूचना संख्या 44/2014-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा संशोधित डीएफएस शुल्क की अवधि से सहयोजित होगी।

शुल्क तालिका

क्रमांक	शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	यूनिट	मुद्रा
(1)	(2)*	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	29142990, 29214490, 29224990, 29337900, 29339900, 29081900, 29147090, 29420090, 29333990	इंडोलिनोन	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	कोई	2715	मी.टन	अम.डॉ.
2.	29142990, 29214490, 29224990, 29337900, 29339900, 29081900, 29147090, 29420090, 29333990	इंडोलिनोन	चीन जनवादी गणराज्य से भिन्न कोई अन्य देश	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	2715	मी.टन	अम.डॉ.

*तथापि, सीमा-शुल्क वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

आगे की प्रक्रिया

39. इस अंतिम जांच परिणाम की अधिसूचना के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

डॉ. इन्द्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th February, 2017

FINAL FINDINGS

Anti-Circumvention Investigation

Subject: Investigation regarding Circumvention of Anti-Dumping Duty existing on Diclofenac Sodium (DFS) by imports of “Indolinone”, an unfinished form of “DFS”, originating in or exported from China PR.

No. 14/22/2014-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the case

1. Whereas, Designated Authority, on the request of M/s Aarti Drugs Ltd., M/s Amoli Organics Ltd. & M/s Kairav Chemicals Ltd., conducted an anti-dumping investigations on the imports of Diclofenac Sodium, the Product Under Consideration (PUC), and recommended a provisional Anti-Dumping Duty (ADD) vide notification no 44/1/2001-DGAD, dated 31st October, 2001 which was levied by Ministry of Finance Vide Customs Notification No. 76/2002-Customs dated 8th August, 2002. The Designated Authority recommended a definitive ADD vide notification no. 44/1/2001-DGAD, dated 21st June, 2002. Based on the recommendations, the Ministry of Finance imposed ADD on PUC vide Notification no. 76/2002-Customs dated 8th August, 2002, which continued for the period of five years from the date of provisional duty. No sunset review of the ADD was undertaken.
2. Whereas, the applicants, M/s Aarti Drugs Ltd., M/s Amoli Organics Ltd. & M/s Kairav Chemicals Ltd., filed an application before the Authority to undertake fresh anti-dumping investigations. Pursuant to investigations, the Authority recommended imposition of provisional ADD vide notification no. 14/4/2007 dated 28th January, 2008 based on which Central Government imposed provisional ADD on the PUC vide notification no 46/2008 dated 10th April, 2008. Further, Designated Authority vide Notification No. 14/4/2007-DGAD dated 29th May, 2008, notified in final findings recommended definitive ADD on imports of Diclofenac Sodium or DFS originating in or exported from China PR pursuant to which the Central Government imposed definitive ADD on the PUC vide Customs Notification No. 91/2008-Customs dated 30th July, 2008.
3. Whereas, on an application filed by M/s Amoli organics and M/s Aarti Drugs a sunset review investigation on the imports of the PUC was initiated vide Notification No. 15/3/2013-DGAD dated 9th April, 2013 to review the need for continued imposition of the duties in force. After detailed investigations, the Authority notified final findings vide Notification No. 15/3/2013-DGAD dated 2nd October, 2014 recommending extension of ADD. ADD was extended vide Customs Notification No. 44/2014-Customs dated 21st November, 2014. The duties so imposed are in force at present.
4. Whereas in the ongoing Anti-Circumvention investigation, regarding imports of Indolinone, a penultimate stage of Diclofenac Sodium, M/s Amoli Organics Ltd (herein referred as "petitioner" or "Applicant") filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Section 9A of the Act read with Rule 26(1) Customs Tariff (Identification, Assessment & Collection of Anti-Dumping Duty on the Dumped Articles & for Determination of Injury) Rules, 1995 (AD Rules) for initiation of Anti-Circumvention Investigation concerning imports of Indolinone (1-(2,6-DICHLOROPHENYL)-2-INDOLINONE CRUDE) (hereinafter also referred to as the "Product under Investigation" or "PUI"), a penultimate stage of "Diclofenac Sodium" (hereinafter also referred to as the "DFS" or "Product under consideration" or "PUC") originating in or exported from China PR (herein referred as subject country). The petition was supported by M/s Aarti Drugs Ltd. (herein referred as "supporter"). Petitioner requested for extension of existing anti-dumping duties on the imports of the DFS to the PUI, the penultimate stage product of the PUC originating in or exported from the subject country.

5. Whereas, in view of the duly substantiated application filed by the petitioner under Rules 26 (1), the Authority initiated the investigation vide notification no 14/22/2014-DGAD sated 17th February, 2016 to determine the existence and effect of the alleged circumvention of the ADD levied and to consider recommendation of extension of ADD on imports of DFS to imports of Indolinone.

B. Procedure

6. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
- i. The Authority issued notification vide notification no. 14/22/2014-DGAD dated 17/02/2016 initiating anti-circumvention investigation, which was published in the Gazette of India.
 - ii. The Authority sent copy of the initiation notification to the Embassy of China in India, known exporters of PUI from China and known importers of PUI in India, as per information available in the petition.
 - iii. The Authority wrote to the exporters/producers of the PUI and requested them to file their responses in the prescribed questionnaire and make their views known in writing within the time limit prescribed. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to embassy of China along with a list of known exporters/producers, with a request to advise the exporters/producers from China to respond to the Authority within the prescribed time.
 - iv. A copy of the non-confidential version of the application filed by the petitioner was sent to the Chinese producer/exporters, and Government of China. A copy of the non-confidential version of the application was also made available to the interested parties, on request, through public file.
 - v. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating the anti-circumvention investigations to the following known producers/exporters in China and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the AD Rules:
 - a) Shandong Yibao Biologics Co., Ltd
 - b) Shenzhen Zhijun Pharmaceutical Co., Ltd
 - c) Comfortcomms Group Co. Limited
 - d) Shanxi Haizheng Scientific Tech. and Trade Co., Ltd.
 - e) GBB Group Co., Ltd.
 - f) Skyrun International Group Sunshine Corporation
 - g) Hebei Jiheng(Group) Pharmaceutical Co., Ltd.
 - h) Shandong Reyoung Pharmaceutical Co., Ltd.
 - i) Hebei Veyong Animal Pharmaceutical Co., Ltd.
 - j) Wuhan Lihua International Trade Corporation
 - k) Medico (Shijiazhuang) Industries & Trade Co., Ltd.
 - l) The TNN Development Limited
 - vi. None of the producers/exporters of the PUI from China responded to the Authority, nor any producer/exporter filed response to the questionnaire in the form and manner prescribed.
 - vii. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with the Rules:
 - a) Natco Pharma Limited
 - b) Unibios Labs Ltd.
 - c) Marksans Pharma Ltd.
 - d) Sunrise Chemicals

- e) Alka Laboratories Pvt. Ltd.
 - f) Medi Pharma Drug House
 - g) Para Products Pvt. Ltd.
 - h) Sara Exports Ltd.
 - i) Stride Industries
 - j) Anju Drug Chem Pvt. Ltd.
 - k) Pan Drugs Limited
 - l) Dpb Antibiotics
 - m) Gpt Pharmaceutical Private Limited
- viii. In response to the initiation of the subject investigation, none of the importers of the PUI have responded, nor filed response to the questionnaire.
- ix. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 20th December, 2016. The oral hearing on 20th December, 2016 was attended by the domestic industry and one of the importer of PUI (namely Magma Industries Ltd.). However, Magma Industries Ltd. has not submitted any information in writing. The parties, who presented their views in oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally.
- x. Exporters, importers other domestic producers and other interested parties who have not responded to the Authority nor supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating.
- xi. Details of imports of subject goods for 2007-08, 2008-09, 2009-2010, 2010-2011, 2011-12, 2012-13, 2013-14, 2014-15, including the period of investigation April, 2014 - September, 2015, were requested from DGCIS and DG Systems, for above mentioned period/year/years.
- xii. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding.
- xiii. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the petitioner as well as the supporter company.
- xiv. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xv. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xvi. In accordance with Rule 16 of the Rules Supra, the essential facts were disclosed by the Authority on 2nd February, 2017 to the concerned interested parties. Comments were requested by 10th February, 2017. Comments received on the disclosure statement to the extent considered relevant by the Authority have been considered in this final finding.
- xvii. *** represents information furnished by an interested party/any other party on a confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xviii. The average exchange rate of 1US\$ = Rs 62.65 prevailing during the POI has been adopted by the Authority in this finding.

C. Product under Investigation and Like Article

7. The product under consideration in the present investigation is “Indolinone (1-(2,6-DICHLOROPHENYL)-2-INDOLINONE CRUDE)”, (referred to as the “Product under investigation” or “PUT” or “subject goods”) which is a penultimate stage product of Diclofenac Sodium (also referred to as the subject product or the “Product under Consideration” or “PUC”). Indolinone already contains the molecular structure of Diclofenac Sodium.

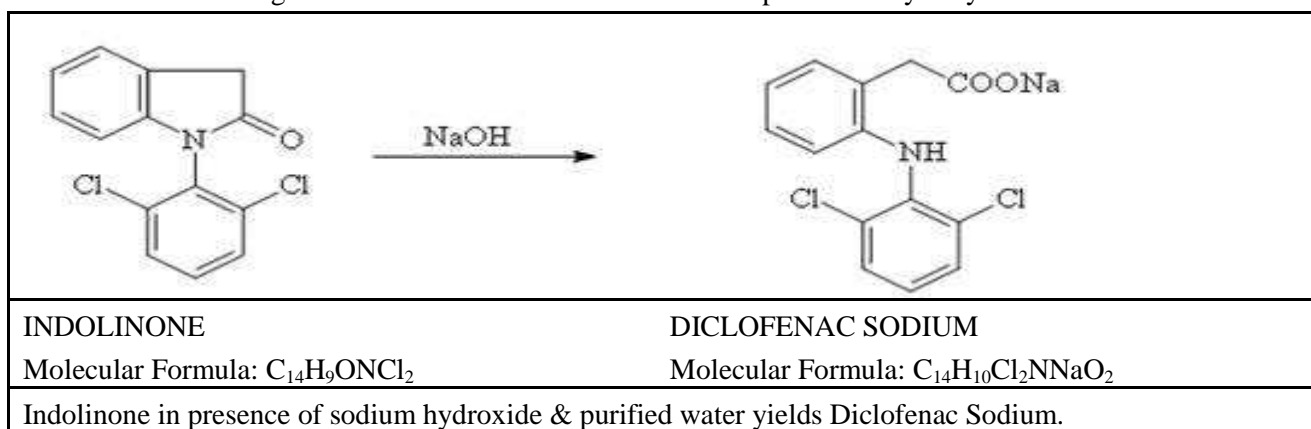
C.1. Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties

8. None of the interested parties have made any submission in this regard.

C.2. Views of Domestic Industry

9. The domestic industry has made the following submissions with regard to the PUI-

- i. The product forming the object of circumvention is Diclofenac Sodium originating from China PR in its intermediate or upstream form, Indolinone (1-(2, 6-DICHLOROPHENYL)-2-INDOLINONE CRUDE).
- ii. The subject goods are classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under the Sub-heading 29420090. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of investigation.
- iii. ADD imposed earlier on imports of PUC originating in China PR is being circumvented and imported into India in its intermediate form, PUI, from China PR.
- iv. Circumvention of ADD on PUC started after the imposition of ADD; however, the same has now intensified. The exporters from China PR are exporting PUI into India which is then simply being converted into PUC without much value addition. The process involved in converting Indolinone to Diclofenac Sodium is the process of hydrolysis. Indolinone to Diclofenac Sodium that the value addition from the stage of Indolinone to Diclofenac Sodium in India is much below the limits prescribed under the relevant circumvention provisions.
- v. Production of Indolinone is a step before in the manufacturing process of Diclofenac Sodium. Because of the imposition of ADD, the producers from China have found it advantageous to stop at Indolinone, the unfinished DFS and dump the same into India. The process involved in converting Indolinone to Diclofenac Sodium is the process of hydrolysis.



- vi. The production process of producing DFS from Indolinone involves the process of hydrolysis and the cost of converting Indolinone to Diclofenac Sodium, i.e., the value addition from the stage of Indolinone to Diclofenac Sodium in India is much below the limits prescribed under the relevant circumvention provisions.

C.3. Examination of the Authority

10. The Authority noting the submissions made by the interested parties proposes to hold that the product under investigation i.e. Indolinone (1-(2, 6-DICHLOROPHENYL)-2-INDOLINONE CRUDE), is a penultimate product of the product under consideration i.e. Diclofenac Sodium (DFS). Indolinone is an unfinished form of Diclofenac Sodium which is further finished into DFS in India, and is marketed in India in the name of Indolinone (1-(2, 6-DICHLOROPHENYL)-2-INDOLINONE CRUDE). The subject goods or the PUI does not have a dedicated customs classification. Indolinone is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 and is being imported under various Sub-heading viz. 29142990, 29214490, 29224990, 29337900, 29339900, 29081900, 29147090, 29420090, 29333990. The customs classification is however indicative only and in no way binding on the scope of investigation.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**D.1. Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

11. None of the parties raised any submissions with regard to domestic industry.

D.2. Views of domestic industry

12. Following submissions have been made by the domestic industry

- i. The petition has been filed by Amoli Organics Ltd. The petition has been supported by M/s Aarti Drugs Ltd.
- ii. The Petitioner Company has neither imported nor is related to any exporter/ producers of subject goods in subject countries or importers in India.
- iii. The petitioner is a major producer of the subject goods in India. Further, the petitioner company constitutes “domestic industry” within the meaning of the Anti-Dumping Rules.
- iv. The application has subsequently been supported by Indian Drug Manufacturer Association.
- v. Whereas earlier only M/s. Sara Exports / Meditech was producing Diclofenac Sodium by importing Indolinone, now M/s. Alka Drugs, Pan Drugs, NutraPlus, Pragna Dye Chem, DPB Antibiotics, Disha Enterprises, MediPharma Drug House are also importing Indolinone and selling Diclofenac Sodium. In fact, so significant is the dilution of the ADD imposed that the domestic industry is hardly having any protection because of ADD imposed.

D.3. Examination of the Authority

The Authority notes that the petition for anti-circumvention investigation and extension of existing ADD on imports of DFS to the imports of Indolinone is filed by M/s Amoli Organics Ltd as per Rule 26(1) which reads as under;

“(1) Except as provided herein below, the designated authority may initiate an investigation to determine the existence and effect of any alleged circumvention of the anti-dumping duty levied under section 9A of the Act , upon receipt of a written application by or on behalf of the domestic industry.”

The petition is supported by M/s Aarti drugs and Indian Drugs manufacturers association.

M/s Amoli organics and M/s Aarti Drugs collectively were considered as the Domestic Industry as per Rule 2(b) in the SSR investigation on the basis of which ADD on PUC has been notified on 21st November 2014. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines domestic industry as under:-

“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

13. The petitioner is not related (either directly nor indirectly) to any exporter of Indolinone or DFS in China or an importer in India. The Authority notes that the petitioner or the supporter have not imported DFS from China during period of investigation. However the petitioner has imported **** MT of Indolinone i.e. PUI during POI.
14. The Authority notes that Rule 26 (1) requires an Anti-Circumvention petition to be filed by the Domestic Industry of the ADD already levied. In this investigation, the Domestic Industry of the existing ADD considered in SSR comprised of M/s Aarti Drugs Ltd. and M/s Amoli Organics Pvt. Ltd as stated above. The Applicant M/s Amoli Organics is a major producer of the PUC and further the petition is supported by M/s Aarti Drugs. As the imports made by M/s Amoli Organics are of PUI and not PUC in POI, the standing of petitioner and its eligibility as DI of PUC as required under Rule 26(1) is not compromised.
15. However in view of the imports of PUI by the applicant in POI the Authority in order to ensure objective and undistorted evaluation of key parameters like quantity and value of imports of PUI , shift in trade pattern, undermining of remedial effects due to PUI imports, , and value addition of PUC from PUI has excluded imports of PUI by applicant and thereafter undertakes injury assessment for M/s Aarti Drugs separately as well who was a part of Domestic Industry in earlier SSR investigation and is a supporter in the present Anti-Circumvention investigation..

E. Evidence of Circumvention

E.1 Submissions made by exporters, importers and other interested parties/other parties

16. None of the parties raised any submissions in this regard.

E.2. Submissions made by Domestic Industry- PI include submissions on circumvention practice

17. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to circumvention are as follows-
 - i. Exports of the intermediate product, Indolinone increased after the imposition of anti-dumping duties on DFS and the same has intensified.
 - ii. Because of the imposition of ADD, the producers from China have found it advantageous to export Indolinone, a penultimate intermediary product and dump the same into India.
 - iii. There is a change in the pattern of trade. The volume of imports from subject country has shifted from DFS from Indolinone. Whereas imports of Indolinone have increased significantly imports of DFS have declined.
 - iv. The significant increase in imports of Indolinone post imposition of duties supports the contention that Indolinone is being exported from China to circumvent the ADD earlier imposed on DFS.

E.3. Examination of the Authority

18. The Authority has examined the aforesaid submissions and alleged circumvention phenomena under relevant Act/Rules i.e. section 9 A (1) of the Customs Tariff Act, 1975 and Rule 25 of the AD Rules which state as follows—

Section 9A(1A) of the Customs Tariff Act Where the Central Government, on such inquiry as it may consider necessary, is of the opinion that circumvention of anti-dumping duty imposed under sub-section (1) has taken place, either by altering the description or name or composition of the article subject to such anti-dumping duty or by import of such article in an unassembled or disassembled form or by changing the country of its origin or export or in any other manner, whereby the anti-dumping duty so imposed is rendered ineffective, it may extend the anti-dumping duty to such article or an article originating in or exported from such country, as the case may be.”

Rule 25 of AD Rules.” Circumvention of anti-dumping duty. - (1) Where an article subject to anti-dumping duty is imported into India from any country including the country of origin or country of export notified for the purposes of levy of anti-dumping duty, in an unassembled, unfinished or incomplete form and is assembled, finished or completed in India or in such country, such assembly, finishing or completion shall be considered to circumvent the anti-dumping duty in force if,-

(a) the operation started or increased after, or just prior to, the anti dumping investigations and the parts and components are imported from the country of origin or country of export notified for purposes of levy of anti-dumping duty; and

(b) the value consequent to assembly, finishing or completion operation is less than thirty-five percent of the cost of assembled, finished or complete article.

Explanation I. – ‘Value’ means the cost of assembled, complete or finished article less value of imported parts or components

Explanation II. - For the purposes of calculating the ‘value’, expenses on account of payments relating to intellectual property rights, royalty, technical know- how fees and consultancy charges, shall not be taken into account.

(2)....

(3)

Explanation.- For the purposes of this sub-rule, it shall be established that there has been a change in trade practice, pattern of trade or channels of sales if the following conditions are satisfied, namely:-

(a) absence of a justification, economic or otherwise, other than imposition of anti-dumping duty;

(b) evidence that the remedial effects of the anti-dumping duties are undermined in terms of the price and or the quality of like products.

The Authority notes that Rule 25 (1) (a) requires to establish the onset and increase in phenomena of circumvention and further the Rule 25 (1) (b) requires to establish that ‘value addition’ associated with the said phenomena is in accordance with the stipulated threshold in this sub Rule.

The Authority’s notes ADD was earlier imposed on imports of the PUC from the subject country vide notification no. 46/2008 dated 10th April, 2008. Sunset review investigations were initiated on the imports of the PUC and after determination, ADD was extended on by the Central Government vide Customs Notification No. 44/2014-Customs dated 21st November, 2014. The duties so imposed are in force. The Authority has to examined the onset and enhancement of phenomena of circumvention of existing ADD just after the imposition of ADD i.e. from 2008-09 till POI. The Authority also has examined whether there is change in pattern of trade and whether this change has stemmed from a practice, process or work for which there was insufficient due cause or economic justification other than the imposition of duty. As stated above the imports by of PUI by the applicant have been excluded. The table 1 below depicts the trade pattern.

Table 1 – Trade Pattern of PUI/PUC since levy of ADD on PUC

Year	Imports Indolinone (PUI) (MT) (1)	Imports DFS (PUC)(MT) (2)	Price (Rs./kg) PUI	Price (Rs./kg) PUC	Relative Proportion PUI/PUC	Relative Proportion Derived PUC/PUC
2008-09	68.20	67.15	349.10	350.85	1.02	0.99
2009-10	104.50	110.51	327.96	337.81	0.95	0.92
2010-11	157.00	46.38	342.20	351.94	3.39	3.28
2011-12	215.08	91.40	392.53	446.32	2.35	2.28
2012-13	132.00	27.40	446.46	538.30	4.82	4.67
2013-14	271.80	4.00	362.06	537.48	67.95	65.91
2014-15	702.02	54.40	350.01	443.24	12.90	12.52
April 15-Sep 15	280.00	8.50	320.93	483.94	32.94	31.95
POI	982.02	62.90	341.69	448.74	15.61	15.14

*Source – DGCIS/ Secondary sources

19. It is noted that the volume of imports of DFS from China declined post imposition of the ADD. Further, volume of imports of Indolinone from China increased significantly. It is thus seen that whereas imports of DFS declined, imports of Indolinone increased since the imposition of ADD.

Significant increase in imports of Indolinone post imposition of duties and decline in imports of DFS shows that there is a change in the pattern of trade.

On a quantitative comparative basis, the relative proportion of imports of circumventing product i.e. Indolinone (PUI) to the circumvented product i.e. DFS (PUC) shows a rising trend from 1.02 to 15.61. If proportion of DFS obtained from conversion of imported Indolinone is compared with Diclofenac Sodium imports, it has risen from 0.99 to 15.14.

The Rule 25 (1) (b) of AD Rules requires that “value consequent to assembly, finishing or completion operation is less than thirty-five percent of the cost of assembled, finished or complete article”. As none of the producers/exporters from China have responded, the Authority in accordance with provisions of para 6(8) has considered the cost of production data of both M/s Amoli Organics Ltd. (Applicant) and M/s Aarti Drugs Ltd. (Supporter) for the purpose of evaluating value addition from Indolinone to DFS during the POI. The Authority in the earlier foregoing para 15 has observed that imports by M/s Amoli organics need to be excluded so that analysis of key parameters like shift in trade pattern, undermining of remedial effects due to PUI imports, quantity and value of imports of PUI, and value addition of PUC from PUI is not distorted and injury assessment is undertaken for M/s Aarti drugs. Accordingly data of M/s Aarti Drugs Ltd. has only been referenced on account of the facts as stated in the foregoing para 15. The value addition from Indolinone (PUI) to DFS (PUC) evaluated as per Rule 25 (1) (b) is depicted in Table 2 below and comes to (20%-30%)

Table 2: Value Addition of converting Indolinone (PUI) to Diclofenac Sodium (PUC) during POI

	M/s Amoli Organics Ltd.		M/s Aarti Drugs Ltd.	
	2014-15 (Rs/Kg)	2015 – 16 (6 months) (Rs/Kg)	2014 – 15 (Rs/Kg)	2015 – 16 (6 months) (Rs/Kg)
Cost of Indolinone	****	****	****	****

Cost of DFS	****	****	****	****
Value Addition	****	****	****	****
Value Addition (%)	20-30	20-30	20-30	20-30

*Average for Amoli Organics – ***** Rs/Kg (20%-30%)

Average for Aarti Drugs – ***** Rs/Kg (20%-30%)

20. The Landed value of PUC derived from the imported PUI i.e. after adjusting the landed value of PUI with (20% -30%) value addition is lower than the landed value of PUC including existing ADD when imported directly in finished form from china.

21. Authority has examined coincidence between the change in pattern of trade and imposition of the measures by considering cost benefit analysis and other economic benefits/cost savings from the production and exports of Indolinone instead of DFS.

The Authority has considered the value addition involved in the process of producing DFS from Indolinone. The value addition involved in producing DFS from Indolinone is determined much below the limits prescribed under the law. Production of Indolinone is only a step before in the manufacturing process of Diclofenac Sodium after which its hydrolysis yields Diclofenac sodium. Because of the imposition of ADD, the producers from China have found it advantageous to stop at Indolinone, the unfinished DFS and export the same into India. The investigation has thus shown that there exists no economic justification other than an incentive to export PUI rather than PUC by the producers in china for the fact of imposition of ADD on DFS which has led to imports of Indolinone.

The shift in trade pattern, Value addition being lower than prescribed threshold and incentive to evade ADD to export PUI rather than PUC collectively establish the phenomena of circumvention.

F. DUMPING OF PUI AND UNDERMINING THE REMEDIAL EFFECT OF THE ANTI-DUMPING DUTY

F.1 Submissions made by the exporters, importers and Other Interested Parties/other parties

22. None of the parties raised any submissions in this regard.

F.2. Submissions made by Domestic Industry

23. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to dumping margin are as follows-

- China is a non-market economy. It has been treated so by European Union and United States in the past. No country has granted market economy country status to China after following detailed evaluation procedure and examination. In India also, the Designated Authority has treated China as non-market economy. The Designated Authority has treated China as non-market economy in practically all the investigations initiated against China after the amendment dated 31st May, 2002.
- Dumping Margin has been determined considering the normal value and export price. The comparison made must be considered fair comparison. Both the normal value and export price have been determined at ex-factory level.
- The normal value is determined on the basis of the cost of domestic industry.
- In the previous anti-dumping duty investigations conducted by the Authority in the year 2002, year 2008 and year 2014. China has been treated as non-market economy country. The Authority may consider the same status to be provided to the Chinese exporters in the present investigation too.

24. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to injury are as follows-

- i. Companies that already had plants for producing DFS are importing Indolinone and are now making Diclofenac Sodium and selling it in the market. This has left the duty on Diclofenac Sodium meaningless.
- ii. There is a significant change in the pattern of trade with reference to prices and quantity of the product and the same is undermining the remedial effects of ADD earlier imposed on imports of DFS.
- iii. The increase in quantity of Indolinone has directly resulted into substantial loss of market of the subject goods for the domestic industry.

F.3. Examination of the Authority

25. The Authority notes that Rule 26 (4) requires establishing that the article circumventing the existing ADD i.e. ADD is dumped. Further Rule 26 (5) states that evidence, procedure requirements of Rule 6 shall apply mutatis mutandis to investigation carried out under this Rule.
26. The Authority notes that under section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act, 1975 normal value in relation to an article means:
 - (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6), or
 - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6);

The Rule 10 along with Annexure 1 enumerates methodologies for determination of normal value, export price and dumping margin.

27. The Authority notes that none of the producers/exporters have filed Questionnaire Response.
28. Rule 6 (8) provides that “In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances”.
29. The Authority notes that while the Petitioner has submitted that China be treated as a Non-Market economy, since in the instant case none of the producers/exporters has responded, and Rule 6(8) needs to be resorted to the examination of issues raised on market situation by the petitioner may not be required.
30. The Authority resorting to Rule 6 (8) has constructed the normal value for the PUI i.e. Indolinone, based on the best utilization norms of raw materials, utilities and capacity

utilization, international raw material prices wherever applicable and a reasonable return on the basis of information available from the applicant.

31. For the purpose of evaluating exfactory export price of PUI in POI, DGCIS data has been adopted. The imports of PUI made by the applicant have been excluded from analysis so as to eliminate possibility of any distortion that may occur on account of including such imports. The weighted average 'CIF' price of PUI during POI has been considered as 341.69 Rs./Kg. Adjustments on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Commission, Port Expenses, Bank Charges and Inland Freight Expenses have been considered to an extent of **** \$/MT, **** % of CIF, ***% of FOB, **** % of FOB, ****% of FOB and *** % of FOB respectively on the basis of data provided by the Petitioner and Authority's past consistent practice on norms related to such adjustments. The table 3 below depicts the dumping margin.

Table 3: Computation of Dumping Margin

S. No.	Adjustment	\$/MT
11.	Constructed Normal Value	****
12.	CIF Import Price	****
13.	Ocean Freight	****
14.	Marine Insurance	****
15.	FOB Export Price	****
16.	Commission	****
17.	Port Expenses	****
18.	Bank Charges	****
19.	Inland Freight Expenses	****
20.	Net Export Price	****
Dumping Margin		****
Dumping Margin (%)		20-30

The dumping margin is proposed to be considered as **** \$/MT (20%-30%) which is significant and above de minimis limits under the AD Rules.

Undermining Remedial effect of ADD existing on PUC by Circumvention

32. The Authority notes that Rule 26 (4) stipulates that provision regarding evidence and procedure of Rule (6) be applied mutatis mutandis. Rule 6 (1) (iv) requires summarization of factors of alleged injury. Further the manifestation of dumped imports of PUI as injury to the Domestic Industry has been examined as per Rule 11 and Annexure 2 by evaluating price and volume effect.

a. Volume effect

33. The Authority has considered the transaction-wise import data provided by DG systems and DGCI&S for the assessment of volume and value of imports of both PUC & PUI from the subject country. Whereas the imports of Indolinone have increased significantly post 2011-12, imports of DFS have declined.

Imports of Indolinone have in fact increased significantly even beyond the levels at which DFS was being imported earlier as depicted in Table 4 below:

Table 4: Trade Pattern of PUC and PUI

Year	Volume-MT		Rate -Rs./Kg	
	DFS	INDO	DFS	INDO
2008-09	67.15	68.20	350.85	349.10
2009-10	110.51	104.50	337.81	327.96
2010-11	46.38	157.00	351.94	342.20
2011-12	91.40	215.08	446.32	392.53
2012-13	27.40	132.00	538.30	446.46
2013-14	4.00	271.80	537.48	362.06
2014-15	54.40	702.02	443.24	350.01
April 15 – Sep 15	8.50	280.00	483.94	320.93
POI	62.90	982.02	448.74	341.69

The demand of PUC as computed by factoring PUI conversion also to PUC is tabulated below (Table 5)

Table 5: Demand of PUC for Injury Period						
Particulars	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	POI	POI Annu
Imports (PUI)	215.08	132.00	271.80	702.02	1,092.02	728.02
Imports(PUC)	91.40	27.40	4.00	54.40	62.90	41.93
Conversion factor	***	***	***	***	***	***
Computed import	***	***	***	***	***	***
Total imports	****	****	****	****	****	****
Indexed	100.00	51.81	89.21	245.10	374.03	249.35
Domestic Sales - Amoli	****	****	****	****	****	****
Indexed	100.00	79.42	79.55	104.75	159.53	106.35
Captive consumption - Amoli	****	****	****	****	****	****
Indexed	100.00	125.84	109.47	141.87	211.27	140.85
Domestic sales - Aarti	****	****	****	****	****	****
Indexed	100.00	95.62	120.74	122.07	203.16	135.44
Captive consumption - Aarti	****	****	****	****	****	****
Indexed	100.00	4.88	24.28	0.30	2.74	1.83
Other producers sales	****	****	****	****	****	****
Indexed	100.00	91.48	76.94	80.83	123.43	82.29
Total Demand excluding captive	****	****	****	****	****	****
Indexed	100.00	79.79	88.90	133.69	207.19	138.13
Total demand including captive	****	****	****	****	****	****
Indexed	100.00	80.49	86.41	123.05	189.52	126.35

The Authority finds that the majority of imports from China PR were of Diclofenac Sodium; volume of which has declined post imposition of ADD. However, imports of PUI, Indolinone enhanced significantly post imposition of ADD on DFS and the same have increased now even beyond the level at which PUC was being dumped earlier.

The volume injury assessment on Domestic Industry in totality and M/s. Amoli Organics and M/s. Aarti Drugs is tabulated below in Tables – 6 (a), 6 (b) and 6 (c).

Table 6 (a): Injury Assessment of PUC (DFS)-Domestic Industry

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	POI	POI*
Capacity	MT	1,550	1,905	1,905	2,280	3,420	2,280
Production	MT	1,327	1,557	1,430	1,783	2,656	1,771
Capacity Utilization	%	86%	82%	75%	78%	78%	78%
Sales							
Domestic	MT	****	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	86.19	97.03	112.06	177.97	118.71
Captive Consumption	MT	****	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	82.59	79.06	91.06	136.71	91.06
Exports	MT	****	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	173.98	146.43	177.04	257.40	171.68
Total Sales	MT	****	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	109.94	105.55	124.06	187.90	125.22
Average stocks	MT	****	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	109.33	138.67	182.67	206.67	206.67
Demand Excluding D1	MT	****	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	79.78	88.91	133.67	207.16	138.08
Demand including D2	MT	****	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	80.48	86.38	123.00	189.50	126.30
Domestic Sales as % of Gross imports	%	191%	317%	207%	87%	91%	91%

Table 6 (b): Injury Assessment of PUC(DFS)-Amoli Organics

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	POI	POI*
Capacity	MT	****	****	****	****	****	****
Production	MT	****	****	****	****	****	****
Capacity Utilization	%	****	****	****	****	****	****
Sales		****	****	****	****	****	****
Domestic	MT	****	****	****	****	****	****
Captive Consumption	MT	****	****	****	****	****	****
Exports	MT	****	****	****	****	****	****
Total Sales	MT	****	****	****	****	****	****
Average stocks	MT	****	****	****	****	****	****
Demand Excluding D1	MT	****	****	****	****	****	****
Demand including D2	MT	****	****	****	****	****	****
Domestic Sales as % of Gross imports	%	****	****	****	****	****	****

Note : D1= Excluding captive consumption

D2 -= Including captive consumption'

POI- Apr'14-Sep'15

POI*; Annualised

Table 6 (c): Injury Assessment of PUC(DFS)-Aarti Drugs							
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	POI	POI*
Capacity	MT	****	****	****	****	****	****
Production	MT	****	****	****	****	****	****
Capacity Utilization	%	****	****	****	****	****	****
Sales		****	****	****	****	****	****
Domestic	MT	****	****	****	****	****	****
Captive Consumption	MT	****	****	****	****	****	****
Exports	MT	****	****	****	****	****	****
Total Sales	MT	****	****	****	****	****	****
Average stocks	MT	****	****	****	****	****	****
Demand Excluding D1	MT	****	****	****	****	****	****
Demand including D2	MT	****	****	****	****	****	****
Domestic Sales as % of Gross imports	%	****	****	****	****	****	****

Note : D1= Excluding captive consumption

D2 -= Including captive consumption'

POI- Apr'14-Sep'15

POI*; Annualised

The volume effect is manifested in terms of the relative market share of domestic sales with regard to gross imports of DFS (directly and circumvented through Indolinone) which has declined from *** to ****. For M/s. Amoli Organics Ltd. the same has reduced from **** to ***, and for M/s. Aarti Drugs Ltd. from *** to ***. This indicates a steep fall in the relative market shares of Domestic Industry/Applicant/Supporter.

b. Price Effect

34. The impact of imports of Indolinone on the prices of the domestic industry has been examined with reference to price undercutting. For the purpose of this analysis, a comparison of the landed price of imports for PUI from subject country during the period of investigation, after appropriate adjustment in order to derive price of DFS was made with the selling price for DFS of the domestic industry in the domestic market. While undertaking this, the Authority has excluded imports of PUI by Amoli to ensure a fair and un distorted comparison. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission incurred by the domestic industry have been adjusted. Further, since the domestic industry has produced and supplied DFS, whereas the product has been imported from China in unfinished form, the expenses incurred in India in converting Indolinone to DFS have been added on the basis of value addition determined by the Authority. Thus, the landed price of imports of Indolinone was adjusted upward by the amount of value addition and thereafter compared with the selling price of the domestic industry. The comparison has shown that the adjusted landed price of imports of Indolinone is significantly below the selling price of DFS by the domestic industry. Thus, the imports of Indolinone are resulting in price undercutting and are thus having adverse price effect. The import price of Diclofenac Sodium being reported from the subject country has increased whereas the import price of Indolinone has declined. In fact, this has eroded the efficacy of the ADD imposed on the PUC. It is noted that there has been significant increase in imports of Indolinone post imposition of which is then being processed into Diclofenac Sodium in India. The landed price of imports of Indolinone is materially below the selling price of the domestic industry, after due adjustment for the value addition involved between Indolinone and DFS. The price undercutting on Domestic Industry's domestic sales of DFS through the circumventing product i.e. Indolinone has been examined by constructing the landed price of DFS from

Indolinone by adding the value addition determined. The price undercutting is noticed to be positive except 2013–14. Also the computed price of DFS from Indolinone during the injury period showed be nearly the same as landed value of directly imported DFS (with ADD), so as to ensure that the existing AD measure is not undermined. However this is noticed to be significantly lower.

The table 7 below illustrates the extent of circumvention.

Table 7; Extent of Circumvention

Landed Value	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed value (DFS without ADD)	Rs./kg	485.60	585.69	584.78	482.25	488.24
Landed value (DFS with ADD)	Rs./kg	629.60	729.69	728.78	652.89	658.33
Landed value (Indolinone)	Rs./kg	427.08	485.76	393.93	380.82	371.77
Landed value (computed DFS)	Rs./kg	****	****	****	****	****
Quantum of Circumvention	Rs./kg	****	****	****	****	****

The tables 8 (a) to 8 (c) depict price effect on Domestic Industry.

Table 8 (a)

Price undercutting /Underselling – Domestic Industry						
		2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Net selling price	Rs./kg	****	****	****	****	****
Cost of sales	Rs./kg	****	****	****	****	****
Price undercutting	Rs./kg	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	-141.52	69.10	177.63	107.50
Price underselling	Rs./kg	****	****	****	****	****
Price underselling (Indexing)		-100.00	-380.05	180.31	311.85	304.01

Table 8 (b)

Price Undercutting /Underselling –Amoli Organics						
	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Net selling price	Rs./kg	****	****	****	****	****
Cost of sales	Rs./kg	****	****	****	****	****
Price undercutting	Rs./kg	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	-111.02	105.19	245.08	220.99
Price underselling	Rs./kg	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	269.41	-231.29	-360.40	-386.96

Table 8 (c)

Price undercutting /Underselling –Aarti Drugs						
	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Net selling price	Rs./kg	****	****	****	****	****
Cost of sales	Rs./kg	****	****	****	****	****
Price undercutting	Rs./kg	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	-168.87	39.67	108.63	2.57
Price underselling	Rs./kg	****	****	****	****	****
Indexed		100.00	722.95	43.27	-80.35	56.79
Price underselling	Rs./kg	****	****	****	****	****
Indexed		-100.00	-269.41	231.29	360.40	386.96

The table 9 below depicts Injury Margin for 2 producers separately, which is noted to be positive.

Table 9: Injury Margin – POI

Parameters	M/s. Amoli Organics Ltd. (Rs/Kg)	M/s. Aarti Drugs Ltd. (Rs/Kg)
Landed Value	457.28	457.28
Non-Injurious Price	****	****
Injury Margin	****	****
Injury Margin %	10-20	2-12

35. **Post Disclosure Comments by the Domestic Industry**

- a. After imposition of Antidumping duty on Diclofenac Sodium imports of Indolinone from China increased.
- b. Converting Indolinone to DFS is the process of Hydrolysis.
- c. Indolinone has characteristics of DFS.
- d. Value addition in production process from Indolinone to DFS is less than 35%
- e. Increase in imports of Indolinone post imposition of duty on DFS from china proves that there is a change in pattern of trade.
- f. There is no economic justification for increase in imports of Indolinone. Indolinone to DFS is just a hydrolysis process away. It is convenient for China to stop just a process away and export Indolinone to India.
- g. Imports of PUI are at dumping prices and margin of dumping is significant.
- h. Imports of Indolinone are causing price undercutting.
- i. Imports of Indolinone have increased significantly after imposition of ADD on DFS.
- j. Imports of Indolinone are beyond the level at which DFS was being imported earlier.
- k. Import price of DFS has increased but the same has decreased for Indolinone.
- l. A significant number of importers have been importing Indolinone and selling DFS.
- m. Extension of ADD existing on DFS to Indolinone is necessary consideration huge imports of Indolinone on dumped prices.

36. Examination by the Authority

No comments has been provided by Embassy of China/any other interested party.

The Authority notes that the Domestic industry has reiterated the submissions already made by them which have been appropriately addressed in the concerned paras in this finding under the heading phenomena of circumvention and undermining of remedial measures.

Conclusions

37. Having examined the contention of interested parties and on the basis of the analysis as above, the Authority concludes that:

- 1) Imports of circumventing product i.e. Indolinone have increased significantly and those of DFS declined after imposition of the AD measure on DFS.
- 2) The value addition in converting circumventing product i.e. Indolinone to circumvented product (DFS) is less than the prescribed threshold in the Rules.
- 3) The circumventing product i.e. Indolinone has been exported at dumped prices during the POI.

The circumventing product i.e. Indolinone has thereby undermined the existing AD measure on the circumvented product i.e. DFS imposed vide Custom Notification No. 91/2008-Customs (ADD) dated 30th July, 2008 and Custom Notification No. 44/2014-Customs (ADD) dated 21st November, 2014.

Recommendations

38. The Authority keeping in view the aforesaid, recommends imposition of the existing AD Duty on DFS imposed vide Custom Notification No. 44/2014-Customs (ADD) dated 21st November, 2014 on 'Indolinone' also at the rate equal to the amount as specified in the corresponding entry in column (8), in the currency as specified in the corresponding entry in column (10) and as per unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (9) of the duty table mentioned below.

- i) The AD Duty will be applicable from the date of its notification by the Ministry of Finance i.e. Central Government.
- ii) The validity of AD Duty would be co-terminus with the duty on DFS levied through Custom Notification No. 44/2014-Customs (ADD) dated 21st November, 2014.

Duty Table

S.No.	Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)*	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
3.	29142990, 29214490, 29224990, 29337900, 29339900, 29081900, 29147090, 29420090, 29333990	Indolinone	People's Republic of China	Any	Any	Any	2715	MT	US Dollar
4.	29142990, 29214490, 29224990, 29337900, 29339900, 29081900, 29147090, 29420090, 29333990	Indolinone	Any country other than People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	2715	MT	US Dollar

*The customs classification is however indicative only and in no way binding on the scope of investigation.

Further Procedure

39. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

Dr.INDER JIT SINGH, Additional Secretary & Designated Authority